

नम्बर	गण	प्रत्यय आत्मनः पदः	धातु	मूलरूप	प्रत्यय संज्ञक	धर्म
१३	भ्या०	प०	अचु	अच्	स०	पूजना, चलना।
१४	तु०	उ०	अचु	अच्	स०	विशेषण देना।
१५	भ्या०	प०	अज	अज	स०	चलना, पैकना।
१६	तु०	उ०	अजि	अज	स०	नष्ट होना, प्रकार करना।
१७	रु०	प०	अज्	अज्	स०	अलग होना, बिकना, चगकना, चलना।
१८	भ्या०	प०	अट	अट	स०	चलना।
१९	भ्या०	प्रा०	अट्ट	अट्ट	स०	नाचना, मारना।
२०	तु०	उ०	अट्ट	अट्ट	स०	अनादर करना।
२१	भ्या०	प०	अठ	अठ	स०	चलना।
२२	भ्या०	प्रा०	अठि	अठ	स०	चलना।
२३	भ्या०	प०	अड	अड	स०	उद्यम करना।
२४	सा०	प०	अड	अड	स०	पूरा करना, समाप्त करना।
२५	भ्या०	प०	अड्ड	अड्ड	स०	जोड़ना।
२६	भ्या०	प०	अण	अण	स०	योद्धना।

धातुसार

३

नम्बर	बाल	धातु	धातु	धातु	धातु	अर्थ
२३	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	गर्हाणा।
२४	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	मनहीनलन, बांधना।
२५	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बांधना।
२६	कं	धा०	धा०	धा०	धा०	निरोग होना।
२७	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	खाना।
२८	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बांधना।
२९	धु०	धा०	धा०	धा०	धा०	पंथा होना।
३०	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	पनन, फेंकना।
३१	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	गंधधारी होना।
३२	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	प्राण रखना।
३३	दि०	धा०	धा०	धा०	धा०	काय करना।
३४	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	गनना।
३५	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बोलना।
३६	धा०	धा०	धा०	धा०	धा०	बलना।

धातुपाठ

नम्बरा	भाषा	पदः सिद्धिः आत्मनेपदः पदः उपपदः	धातु	रि	स कर्म कृ पा अकर्म कृ	अर्थ
६३	भा०	उ०	जप	जप	ज म	बलवद् बहुजनने
६४	भा०	उ०	जम	जम	ज म	पक्का हुनको लागि
६५	भा०	प०	जम्	जम्	ज०	होना।
६६	कं	प०	जमु	जम्	ज०	कटघोना, बर्लाना, होना
६७	रि०	प०	जनु	जन्	स०	फेकना।
६८	भा०	भा०	जह	जह	स०	चलना।
६९	सा०	प०	जह	जह	स०	पूरा करना, समाप्त करना
७०	जु०	उ०	जहि	जहु	ज०	नकारा होना, नष्ट होना
७१	भा०	भा०	जहि	जह	स०	चलना।
७२	भा०	प०	जम्	जम्	स०	पूरा करना, समाप्त करना
७३	भा०	प०	जा	जा	ज०	बडा होना।
७४	भा०	प०	जाहि	जाह	ज०	प्राप्ति होना।
७५	भा०	भा०	जासु	जास	ज०	बैठना।

धात्वर्थाव

2

नमः	रागः	पदः	धनुः	मन्त्रः	शक्तिः	शक्तिः
७६	रागः	रागः	पाराशर्य	पाराशर्य	रागः	दृष्ट्या कराना
७७	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना, धारा करना, कर्मति
७८	रागः	रागः	इ	इ	रागः	कर्मति, धारा करना, कर्मति
७९	रागः	रागः	इ	इ	रागः	प्रादिकराना
८०	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८१	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८२	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८३	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८४	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८५	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८६	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८७	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८८	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
८९	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना
९०	रागः	रागः	इ	इ	रागः	चलना

नम्बर	गण	पद. अर्थान्तर पद. अर्थान्तर	धातु	मूलरूप	सकर्मक असकर्मक	अर्थ
२२	आ०	आ०	इन्ध	इन्ध	अ०	प्रकाश होना।
२३	कं	प०	इधुध	इधुध	स०	तीर चनाना।
२४	आ०	प०	इधि	इध्	स०	टपकरना, प्रमात्रि
२५	उ०	प०	इन्	इल्	अ०-स०	स्वप्न होना, केंकन
२६	उ०	उ०	इन्	इल्	स०	पढ़ाना।
२७	दि०	उ०	इत्त	इश्	अ०	नर होना।
२८	दि०	प०	इप्	इप्	स०	चलना।
२९	उ०	प०	इप्	इप्	स०	मन दौड़ाना, लल
३०	क्या०	प०	इप्	इप्	अ०	वारंवार होना।
३१	कं	प०	इवस्	इवस्	अ०	पठिताना।
३२	कं	प०	इरस्	इरस्	अ०	दुःख मनी करना।
३३	अ०	प०	ई	ई	सकर्मक	चलना, कांति होना, उ
३४	आ०	प०	ईव	ईव	स०	कलना, रोमाञ्च करना, चलना।

धात्वणिव

६

नम्बर	गण	प्रकार	धातु	प्रति	प्रति	प्रति	प्रति
१०१	वि.	आ.	ईष्ट	ई	स.	चनना।	
१०२	आ.	आ.	ईना	ईज्	स.	धुराई करणा।	
१०३	आ.	आ.	ईति	ईज्	स.	चलना।	
१०४	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१०५	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१०६	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१०७	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१०८	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१०९	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११०	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१११	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११२	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११३	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११४	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११५	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११६	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११७	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११८	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
११९	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	
१२०	अ.	आ.	ईड्	ईड्	स.	गतिष्क करणा।	

धात्वर्थेव

नम्बर	गण	धातु	धातु	धातु	धातु	धर्थ
११५	आ.	आ.	इह	इह	स.	चटाहना।
११६	आ.	आ.	इह	इह	स.	दरपना निरपना।
११७	आ.	आ.	उ	उ	स.	बोलना।
११८	आ.	आ.	उ	उ	स.	चलना।
११९	दि.	प.	उ	उ	स.	नित्य सगाई करना।
१२०	उ.	प.	उ	उ	स.	बांधना समाप्रिकरना।
१२१	आ.	प.	उ	उ	स.	सीचना।
१२२	आ.	प.	उ	उ	स.	बिनना।
१२३	उ.	प.	उ	उ	स.	बिनना।
१२४	आ.	प.	उ	उ	स.	समाप्रिकरना।
१२५	उ.	प.	उ	उ	स.	नसना।
१२६	उ.	प.	उ	उ	स.	मुनापम होना।
१२७	उ.	प.	उ	उ	स.	खेदना।

संख्या	गण	धातु-प्रकार-प्रमाण	धातु	विभक्ति	संज्ञा-प्रकार-प्रमाण	अर्थ
१२८	भ्याः	प०	उठ	उठ	स०	मनीष संगारण।
१२९	भ्याः	प०	उठ्	उठ्	य०	बहुत होना।
१३०	ह०	प०	उठ्दी	उठ्दी	य०	तपोना।
१३१	ह०	प०	उठ्दी	उठ्दी	स०	पूरु करण।
१३२	भ्याः	प०	उठ्दी	उठ्दी	स०	सुख होना, ऐतना।
१३३	भ्याः	प०	उठ्दी	उठ्दी	स०	मारना।
१३४	ह०	उ०	उठ्दिर	उठ्दिर	य०	प्रकाश होना, रोना।
१३५	ह०	उ०	उठ्दिर	उठ्दिर	स०	मारण, धन हारण।
१३६	भ्याः	उ०	उठ्दिर	उठ्दिर	स०	निदान करना।
१३७	भ्याः	प०	उठ्दिर	उठ्दिर	स०	सवाल करना।
१३८	भ्याः	प०	उठ्	उठ्	स०	बतना।
१३९	भ्याः	प०	उठ	उठ	स०	दान देना।
१४०	भ्याः	प०	उठ	उठ	स०	हुकूम मारना।
१४१	भ्याः	प०	उठ्	उठ्	स०	बिनना।

धातुशेष

नं.	धातु	धातुशेष	धातु	धातुशेष	धातु	धातुशेष
१६६	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१६७	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१६८	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१६९	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७०	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७१	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७२	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७३	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७४	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७५	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७६	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१७७	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु

नम्य	गण	पदः प्रथमः पदः द्वितीयः पदः तृतीयः	धनु	नम्य	नम्य	ः शब्दः
१३०	कु.	सा.	लोपिनी	विन्	अ.म.	दरना, चिन्ना।
१३१	कु.	सा.	लोपिनी	नम्य	अ.	शरमाना।
१३२	कु.	उ.	लोपिनी	लोपिनी	अ.	अमरकूटना।
१३३	आ.	प.	लोपिनी	लोपिनी	अ.	दूरकना
१३४	आ.	पा.	लोपिनी	प्याय	अ.	ददना।
१३५	आ.	पा.	क	क	अ.स.	गह्वरदोना, अन्तुल
१३६	आ.	प.	क	क	अ.	हाना, हृदयकना।
१३७	आ.	पा.	कफि	कफ	अ.	हृषना।
१३८	आ.	प.	कख	कख	अ.	हमना।
१३९	आ.	प.	कखे	कख	अ.	हृषना।
१४०	आ.	प.	कग	कग	अ.	कर्मकरना।
१४१	आ.	पा.	कव	कव	अ.	सांधना, प्रकाशकरना।
१४२	कु.	उ.	कवि	कवि	अ.	चिन्ना।

संख्या	गण	प्रथमः	द्वितीयः	तृतीयः	चतुर्थः	पञ्चमः	षष्ठः	सप्तमः	अष्टमः	नवमः	दशमः
१	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
३	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
४	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
५	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
६	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
७	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
८	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
९	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१०	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
११	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१२	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१३	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१४	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१५	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१६	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१७	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१८	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
१९	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२०	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२१	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२२	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२३	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क
२४	आ	क	क	क	क	क	क	क	क	क	क

नामना।
 कलना।
 गीतगारक
 काना।
 कनना।
 यथाहरनद्वय
 मुरगिन से न
 गोत्रकरना।
 याद करना।
 मत्तद्वान्तरना।
 कोधद्वान्तरना।
 मस्तद्वान्तरना।
 विद्वान्तरना।
 त्वरी होना।
 कष्टसे

धात्वर्णव

१७

नम्बर	साल	पदार्थविनिर्माणपरिचय	धातु	धातु	सकर्मक	असकर्मक	अर्थ
१	कु.	७०	कृण	कण	स०	सोखवन्दकरना।	
२	कु.	७०	कण	कण	स०	कलना।	
३	कु.	७०	कण	कण	स०	बोपना।	
४	कु.	७०	कण	कण	स०	पकानना।	
५	कु.	७०	कण	कण	स०	मारना।	
६	कु.	७०	कण	कण	स०	वानशुद्धकरना।	
७	कु.	७०	कण	कण	स०	घोड़ा कदना।	
८	कु.	७०	कण	कण	स०	मारना।	
९	कु.	७०	कण	कण	स०	खरी दोना।	
१०	कु.	७०	कण	कण	स०	मारना।	
११	कु.	७०	कण	कण	स०	मारना।	
१२	कु.	७०	कण	कण	स०	हीलना।	
१३	कु.	७०	कण	कण	स०	मिराफादोना।	
१४	कु.	७०	कण	कण	स०	पकानना।	

नम्बरा	भाषा	पद. अर्थ	पद. अर्थ	पद. अर्थ	पद. अर्थ	पद. अर्थ	पद. अर्थ
२२२	भा०	शा०	कदि	कद्	श०	छाए होना।	
२२०	भा०	शा०	कदि	कद्	श०	बहना।	
२२१	भा०	प०	कदि	कद्	श०	रेना।	
२२२	भा०	प०	कदि	कद्	श०	रेना।	
२२३	भा०	प०	कन	कन्	स०	होली होना, चलना।	
२२४	भा०	प०	कनी	कन्	स०	कान्ति होना, चलना।	
२२५	भा०	प०	कप	कप	स०	चलना।	
२२६	भा०	शा०	कप	कप	स०	मेहर बानी करना।	
२२७	भा०	शा०	कप	कप	स०	चलना।	
२२८	भा०	प०	कम्ब	कम्ब	स०	चलना।	
२२९	भा०	शा०	कर	कर	स०	वरण करना।	
२३०	भा०	शा०	कम्	कम्	स०	इच्छा करना, कानि होना।	
२३१	दि०	प०	कम्	कम्	स०	पढ़ना।	
२३२	भा०	प०	कम्	कम्	स०	पढ़ना, चलना।	

धात्वर्णव

१६

नम्बर	वाण	धातु	कर्म	कर्म	कर्म	पर्य
२३३	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	दरना।
२३४	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	नकलीफ होना।
२३५	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	नेछ फेड़ करना।
२३६	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	यक जाना।
२३७	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	सापशह होना।
२३८	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	गस्तार करना।
२३९	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	उश्मनी करना।
२४०	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	पटनभेनना।
२४१	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	चननी।
२४२	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	शामन।
२४३	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	सफा न फटना।
२४४	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	नारिफ करना।
२४५	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	हानी।
२४६	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	बेनना।
२४७	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	बहारना।
२४८	धा०	५०	कर्क	कर्क	स०	मारना।

नम्बरा	गणा	परः स्यात् धात्वर्णानि परः उभयपक्षे	धातु	धातु	सकर्मक लकर्मक	पद
२५१	धा०	प०	कीन	कीन	स०	बांधना।
२५२	धा०	प०	कु	क	स०	बोन्नना।
२५३	कु०	धा०	क	क	स०	कटोरो बोनना।
२५४	धा०	धा०	कुक	कुक	स०	लेलेना।
२५५	धा०	धा०	कुन्	क	स०	बोन्नना।
२५६	धा०	धा०	कुन्	कु	स०	बन्नना।
२५७	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बांधना।
२५८	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२५९	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२६०	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२६१	कु०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२६२	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२६३	धा०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।
२६४	कु०	प०	कुव	कुव	स०	बोन्नना।

नमरा	माला	पद-प्रयोग गुण-विशेष-सामे पद-उभयपद-	धातु	विभक्ति	संज्ञक-संज्ञक	वार्ध
१२५	क	क	कृ	कृ	स०	काटना।
१२६	क	क	कृ	कृ	स०	कृदवा निग्राहका।
१२७	क	क	कृ	कृ	स०	कोप होना।
१२८	क	क	कृ	कृ	स०	कर होना।
१२९	क	क	कृ	कृ	स०	करना।
१३०	क	क	कृ	कृ	स०	सपेदना।
१३१	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना, धातुत्व
१३२	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३३	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३४	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३५	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३६	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३७	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३८	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१३९	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४०	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४१	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४२	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४३	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४४	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४५	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४६	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४७	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४८	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१४९	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।
१५०	क	क	कृ	कृ	स०	कृद होना।

धातुशास्त्र

नम्बर	भाषा	प्रथम पद-प्रत्यय	धातु	संज्ञा	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
३३८	भ्या०	प०	खज	सज	ख-स.	पूजना, दंड दे होना।
३३९	भ्या०	प०	खर्व	खर्व	ख-स.	खनना, ज़ांश कराना।
३४०	भ्या०	प०	खर्द	खर्द	ख०	काटना, बोलना।
३४१	भ्या०	प०	खम	खम	ख-स.	जमझ करना, बुरा काम, गिराना, डराना,
३४२	भ्या०	प०	खव	खव	ख०	कोरफे निकलना।
३४३	भ्या०	प०	खश	खश	ख०	लिखना।
३४४	भ्या०	प०	खप	खप	ख०	मारना।
३४५	भ्या०	प०	ख्या	ख्या	ख०	ख्याना।
३४६	भ्या०	प०	ख्या	ख्या	ख०	कहना।
३४७	भ्या०	प०	खि	खि	ख०	हरना।
३४८	भ्या०	प०	खि	खि	ख०	शीत होना।
३४९	भ्या०	प०	खि	खि	ख०	मारना।

मन्त्र	शला	मन्त्रोपनिषद् प्रमाणेन पद-उपनिषद्	शान्	वि	मन्त्रोपनिषद् प्रमाणेन	अर्थ
३२०	ह.	३२	तिरि	तिरि	स.	गरीब होना।
३२१	जु.	३३	तिन	तिन	स.	कहा दिना।
३२२	भा.	३४	मु	मु	स.	बोधना।
३२३	भा.	३५	ख	ख	स.	बोरी करना।
३२४	जु.	३६	ख	ख	स.	छाना।
३२५	भा.	३७	ख	ख	स.	गरीबों में वितरण करना।
३२६	जु.	३८	ख	ख	स.	दुकड़ा करना।
३२७	भा.	३९	ख	ख	स.	खिन्नना।
३२८	जु.	४०	ख	ख	स.	काटना।
३२९	जु.	४१	खे	खे	स.	खाना।
३३०	जु.	४२	खे	खे	स.	खाना।
३३१	भा.	४३	खे	खे	स.	वाबेदारी करना।

नम्बर	भाषा	पद प्रयोग संख्या	धातु	प्रत्यय	सकर्मक अकर्मक	सर्व
४६२	अङ्ग	१०	गोच	गिन्	सक	चलना।
४६३	कं	१०	मेमा	रेमा	अक	सुता होना।
४६४	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	उद्गटना।
४६५	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४६६	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४६७	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४६८	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४६९	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७०	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७१	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७२	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७३	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७४	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७५	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७६	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७७	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७८	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४७९	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।
४८०	अङ्ग	१०	सं	सि	अक	पानना।

मात्रा	गण	पदः कृतान्ति कृतान्तिपदः पदः कृतान्ति	धातु	लृट्	लृट् लृट्	धर्म
४१२	लृ.	७.	गम	गम	ग.	बोलना।
४१३	भा.	८.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४१४	भा.	९.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४१५	भा.	१०.	गदि	गद्	ग.	बोलना।
४१६	लृ.	११.	गण	गण	ग.	बोलना।
४१७	भा.	१२.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४१८	भा.	१३.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४१९	भा.	१४.	गदि	गद्	ग.	बोलना।
४२०	लृ.	१५.	गण	गण	ग.	बोलना।
४२१	भा.	१६.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४२२	भा.	१७.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४२३	भा.	१८.	गदि	गद्	ग.	बोलना।
४२४	लृ.	१९.	गण	गण	ग.	बोलना।
४२५	भा.	२०.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४२६	भा.	२१.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४२७	भा.	२२.	गदि	गद्	ग.	बोलना।
४२८	लृ.	२३.	गण	गण	ग.	बोलना।
४२९	भा.	२४.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४३०	भा.	२५.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४३१	भा.	२६.	गदि	गद्	ग.	बोलना।
४३२	लृ.	२७.	गण	गण	ग.	बोलना।
४३३	भा.	२८.	गवि	गम्	ग.	बोलना।
४३४	भा.	२९.	गद्	गद्	ग.	बोलना।
४३५	भा.	३०.	गदि	गद्	ग.	बोलना।

[illegible]

धात्वर्थाव

३३

नम्बर	गण	धातु	धातु	धातु	धातु
४४०	भा०	क	का	क	माता, प्रपाना, दूखना
४४१	क०	क	का	क	जानना, मानना, मदेना
४४२	गु०	क	का	क	नेदना, पछाना।
४४३	भा०	क	का	क	कनना।
४४४	गु०	क	का	क	पकनाना।
४४५	भा०	क	का	क	दूरमतिपहनना, नना
४४६	गु०	क	का	क	सामने करना।
४४७	भा०	क	का	क	पूजके मगनना।
४४८	गु०	क	का	क	पुण्य छेदना।
४४९	भा०	क	का	क	छिरोलना।
४५०	भा०	क	का	क	केंडा करना।
४५१	गु०	क	का	क	रोलना।
४५२	भा०	क	का	क	छिरोलना।

नम्बर	भाषा	कृति	धातु	इति	संज्ञा	अर्थ
४४३	बु.	उ.	गुठि	गुठ्	स.	लेपटना।
४४४	बु.	प.	गुद	गुद्	क.	पचाना।
४४५	बु.	उ.	गुदि	गुड्	स.	लेपटना।
४४६	बु.	उ.	गुया	गुय	र.	सामने करना।
४४७	भा.	सा.	गुद	गुद	घ.	खेलना।
४४८	भा.	सा.	गुध	गुध	घ.	खेलना।
४४९	दि.	प.	गुध	गुध	म.	लेपटना।
४५०	क्या.	प.	गुध	गुध	र.	तृप्ता होना।
४५१	दि.	प.	गुर्	गुर्	क.	कट होना।
४५२	भा.	सा.	गुर्	गुर्	स.	ठिपाना।
४५३	बु.	उ.	गुप्	गुप्	र.	पहना।
४५४	भा.	प.	गुप्	गुप्	स.	वचाना।
४५५	बु.	प.	गुफ	गुफ	म.	सुंदना।
४५६	बु.	उ.	गुर्	गुर्	स.	घरने।

नम्बर	गण	पद	शब्द	वर्ण	वर्ण	वर्ण
४६७	भा.	शा.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४६८	भा.	क	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४६९	शु.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७०	शु.	शा.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७१	भा.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७२	शु.	शा.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७३	भा.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७४	भा.	क	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७५	भा.	क	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७६	शु.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७७	शु.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७८	भा.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा
४७९	भा.	शु.	शु.	शु.	शु.	दुपदशुभाशुभा

धान्यमिव

नम्बर	राश	प्रत्यय	शान्तिप्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय
५१३	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१४	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१५	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१६	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१७	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१८	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५१९	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२०	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२१	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२२	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२३	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२४	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२५	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२६	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२७	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२८	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५२९	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०
५३०	आ०	प०	प०	प०	प०	प०	प०

नम्बरा	गण	पर-स्त्री-प्रत्यय-उपपत्ति	धातु	प्रत्यय	सकर्मक-अकर्मक	अर्थ
५४१	धा०	लृ०	वर	वृ	स०	एवाच करना।
५४२	धु०	लृ०	वृ	वृ	अ०	कर देना।
५४३	लृ०	प०	वृ	वृ	ग०	पोलना।
५४४	धा०	प०	नन	नन	स०	माना निष्पन्न करना।
५४५	धा०	प०	वप	वप	अ०	बुझाना, धुलने बहना।
५४६	धु०	लृ०	वप	वप	अ०	धुलना, धोखा देना, नरि माता देना।
५४७	धु०	लृ०	वृ	वृ	स०	बलना।
५४८	धा०	प०	वप	वप	स०	रवाना।
५४९	धा०	प०	वप	वप	अ०	बलना।
५५०	धु०	लृ०	वृ	वृ	अ०	पढ़ना।
५५१	धा०	प०	वृ	वृ	अ०	पढ़ना, माता, शीला देना।
५५२	धु०	लृ०	वृ	वृ	अ०	हमर सिरवाना।
५५३	धा०	प०	वृ	वृ	अ०	बलना, रवाना।
५५४	धा०	प०	वर	वर	अ०	बलना, रवाना।
५५५	धा०	प०	वप	वप	अ०	बलना, बलना।

नम्बर	गण	पदार्थानि आत्मनोपदेशसि पर उभयपर	धातु	भूत	सकृन्मिक्रया लकृन्मिक्र	अर्थ
१५४	बु०	३०	बल्	बल्	बु०	चिनहाना।
१५५	बु०	३०	बल	बल्	बु०	पदना, श्रयाजना।
१५६	बु०	३०	बल	बल्	बु०	खाना।
१५७	बु०	३०	बल	बल्	बु०	भारना।
१५८	बु०	३०	बल	बल्	बु०	प्रकाशहाना।
१५९	बु०	३०	बल	बल्	बु०	वदकूकूहाना, नदीकूल
१६०	बु०	३०	बल	बल्	बु०	दरिद्रा, कृपास्त्राना, कृ
१६१	बु०	३०	बल	बल्	बु०	कृत्वा वदकूकूहाना।
१६२	बु०	३०	बल	बल्	बु०	कृत्वा, कृत्वा।
१६३	बु०	३०	बल	बल्	बु०	हृत्वा, देवना।
१६४	बु०	३०	बल	बल्	बु०	भारना, जम, प्रकरना।
१६५	बु०	३०	बल	बल्	बु०	जम, प्रकरना।
१६६	बु०	३०	बल	बल्	बु०	पदना, भेनना।

धात्वणिव -

४५३

संख्या	भाषा	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
५६०	तु.	उ.	चि	चि	अ.स.	इष्टि पार होना, पाद करना
५६१	तु.	उ.	चि	चि	अ.	उनेन होना।
५६२	तु.	उ.	चि	चि	अ.	चिन्माती घनाना।
५६३	भा.	उ.	चि	चि	अ.	पाद करना।
५६४	तु.	उ.	चि	चि	अ.	इत्स पड़ना।
५६५	भा.	उ.	चि	चि	अ.	टिकना।
५६६	भा.	उ.	चि	चि	अ.	मनकी बात कहना।
५६७	भा.	उ.	चि	चि	अ.	लेखना, खाना।
५६८	भा.	उ.	चि	चि	अ.	कहना।
५६९	भा.	उ.	चि	चि	अ.	साथी प्रकरना।
५७०	तु.	उ.	चि	चि	अ.	कहना, प्रकाश होना।
५७१	तु.	उ.	चि	चि	अ.	प्रमत्ताना, हसना।

नम्बर	भाषा	प्रत्यय (संज्ञा)	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
६००	बु.	उ	चूर्ण	चूर्ण	प्र.	पठाना, प्रेनना।
६०१	बु.	प	चूर्ण	चूर्ण	प्र.	छेदा होना।
६०२	दि.	पा.	चूरी	चूर	स.	शुंकरना, जनाना।
६०३	मा.	फ	चूत	चूत	स.	पीना।
६०४	बु.	उ	चूत	चूत	प्र.	प्रकाश होना।
६०५	बु.	प	चूती	चूत	स.	मृग, मृगवा, कलना।
६०६	बु.	उ	चूत	चूत	प्र.	गठना।
६०७	मा.	पा.	चे	चेष्ट	प्र.	प्रकाश होना।
६०८	मा.	फ	चेष्ट	चेष्ट	प्र.	खुद खुरत होना, चेष्टा होना।
६०९	मा.	प	चेष्ट	चेष्ट	स.	केनना, मुन्नायम होना।
६१०	मा.	प	चक्षु	चक्षु	स.	कनना।
६११	मा.	प	चक्षु	चक्षु	स.	चलना।
६१२	मा.	प	चक्षु	चक्षु	स.	चलना।

ध्यानार्पण

44

[illegible]

नम्बर	गण	प्रथित समन्वित पदः उपपद्यते	धातु	मूलरूपं	गकर्मक वा लकर्मक	अर्थ
६३०	तु०	फ	कुप	युप	म०	युद्धमना।
६३१	भा०	फ	कुम	युम	ल०	करना, कुभित होना।
६३२	तु०	फ	कुर	युर	म०	काटना, निपकरना।
६३३	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	प्रकाश होना।
६३४	रु०	उ	करी	कृ	ल०	गोना, प्रकाश होना, प्रकाश
६३५	तु०	उ	कप	कृप	ल०	वमन करना।
६३६	तु०	उ	कष	कृष	ल०	प्रकाश होना, प्रकाश
६३७	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	मानना।
६३८	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	दो टुकड़े करना।
६३९	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४०	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४१	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४२	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४३	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४४	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४५	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४६	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४७	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४८	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६४९	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।
६५०	तु०	उ	कृ	कृ	ल०	काटना।

धात्वंगाव

५१

भाषा	भाषा	पद-व्युत्पत्ति- संज्ञा-संज्ञा- पद-व्युत्पत्ति-	धातु	सूचक	संज्ञा- संज्ञा- संज्ञा-	वार्थ
६५०	अण-	अ-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५१	अ	अ-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५२	अि-	अि-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५३	अा-	अा-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५४	अी-	अी-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५५	अू-	अू-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५६	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५७	अः-	अः-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५८	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६५९	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६०	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६१	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६२	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६३	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६४	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६५	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६६	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६७	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६८	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६६९	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-
६७०	अं-	अं-	अर	अर	अ-	अण-अण-अण-अण-अण-अण-

संज्ञा	गण	पदः स्वार्थान् सामाने पदार्थस्यै	पदः उभयपदः	धातु	मूलरूप	सकर्मकः अकर्मकः	अर्थः
६१४	सु०	फ०	जर्	जर्	स०	कहना, निन्दा करना।	
६१५	आ०	प०	जर्त्	जर्त्	स०	हरवाना, कहना, पालना।	
६१६	आ०	प०	ज्व	ज्व	अ०	पेग होना, बीनारोनेम।	
६१७	सु०	उ०	जत्	जत्	स०	मोकूक करना, छाना।	
६१८	आ०	प०	जन्	जन्	स०	बारना, प्रीक्षण करना।	
६१९	आ०	प०	ज्वन्	ज्वन्	अ०	प्रकाश होना।	
६२०	आ०	प०	जप्	जप्	स०	बारना।	
६२१	सु०	उ०	जसि	जस्	स०	बारना।	
६२२	सु०	अ०	जसु	जस्	स०	बारना, छाना, चनाई।	
६२३	दि०	प०	जसु	जस्	स०	छाड़ना।	
६२४	सु०	प०	जस्	जस्	अ०	स्नाना, इंसना।	
६२५	जा०	प०	जा	जा	अ०	बूढ़ा होना।	
६२६	ज०	प०	जाम्	जाम्	अ०	जागना।	

नम्बर	गण	उपधा	धातु	मूल	संज्ञा	वर्ण
६०	अ	अ	जि	जि	अ-स	जीमवा, जामवा, जामा।
६१	इ	इ	वि	वि	अ-	जामवा, जामा।
६२	उ	उ	निवि	निवि	अ-स	जुमवा, जामवा, जामा।
६३	ए	ए	निवि	निवि	अ-	जामा।
६४	आ	आ	जि	जि	अ-	जामा।
६५	इ	इ	जि	जि	अ-	जामा।
६६	उ	उ	जि	जि	अ-	जामा।
६७	ए	ए	जि	जि	अ-	जामा।
६८	आ	आ	जि	जि	अ-	जामा।
६९	इ	इ	जि	जि	अ-	जामा।
७०	उ	उ	जि	जि	अ-	जामा।
७१	ए	ए	जि	जि	अ-	जामा।
७२	आ	आ	जि	जि	अ-	जामा।
७३	इ	इ	जि	जि	अ-	जामा।
७४	उ	उ	जि	जि	अ-	जामा।
७५	ए	ए	जि	जि	अ-	जामा।
७६	आ	आ	जि	जि	अ-	जामा।
७७	इ	इ	जि	जि	अ-	जामा।
७८	उ	उ	जि	जि	अ-	जामा।
७९	ए	ए	जि	जि	अ-	जामा।
८०	आ	आ	जि	जि	अ-	जामा।

नम्बर	शरा	पद-प्रयोग यात्रमनेपद-प्रयोग पद-उभयपद	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय-प्रयोग प्रत्यय-प्रयोग	शार्थ
७२२	आ०	आ०	लोक	लोक	स०	चलना।
७२३	आ०	उ०	दुयाच	पाच	स०	सवालकरना।
७२४	आ०	आ०	दुभान	भान	अ०	प्रकाशहोना।
७२५	उ०	प०	दुमरनो	मरन	अ०	शुद्धहोना।
७२६	आ०	प०	दुणादि	णाद	अ०	बढ़ना।
७२७	आ०	प०	दुदु	दु	अ०	पीड़ाहोना कष्टहोना।
७२८	आ०	आ०	दुपेष्ट	पेष्ट	अ०	कांपना।
७२९	आ०	प०	दुवम	वम	स०	हँसकरना।
७३०	आ०	प०	दुशोस्फूर्ज	स्फूर्ज	अ०	बनको प्रकाशहोना।
७३१	आ०	उ०	दुशोधिरे	धिरे	अ०	चलना बढ़ना।
७३२	आ०	आ०	दुभाष्ट	भाष्ट	अ०	प्रकाशहोना।
७३३	आ०	आ०	दुह	उ	स०	बिन्नना।

[illegible]

नम्बर	गण	धातु	धातु	धातु	धातु	अर्थ
७४६	धा. दि०	धा. सा०	डीङ्	डी	श०	आकाशने उड़ना।
७४७	धा०	आ०	डुङ्	डु	स०	बोलना।
७४८	डु	आ०	डुभञ्	भट्	स०	ऊपर से लड़ना।
७४९	डु	उ०	डुघञ्	दा	स०	दाम देना, पुष्कला।
७५०	डु	उ०	डुधान्	धा	स०	ऊपर से लड़ना।
७५१	डा०	उ०	डुमिञ्	मि	स०	केंकना।
७५२	न०	उ०	डुछञ्	क	स०	काम करना।
७५३	का०	उ०	डुकीञ्	की	स०	द्वय को बँचना।
७५४	धा०	आ०	डुनभञ्	नभ	स०	धस्तु शीघ्र से मिलना।
७५५	धा०	उ०	डुपवञ्	पव	स०	साना पकाना।
७५६	धा०	प०	डुण	डुण	स०	ढूँढ़ना।
७५७	धा०	आ०	डोह	डोह	ग०	घनना।

धात्वर्णव

६१

धातुसार

क्र.	गण	पदः लघोः निमित्तः पदः लघोः निमित्तः पदः लघोः निमित्तः	धातु	लृट्	लृट्	लृट्	अर्थ
७५८	आ०	क	रा	नद	क	अवाप्त होना।	
७५९	आ०	प०	एद	नठ	क-स	नाचना, नाचना, नतिवचना।	
७६०	बु०	उ०	एद	नद	स०	कहना।	
७६१	आ०	श०	एम	नभ	स०	कहना।	
७६२	दि०	प०	एभ	नभ	स०	पारना।	
७६३	आ०	प०	एम	नभ	स०	शिरसुकान, दोलना।	
७६४	आ०	प०	एव	नय	स०	बलना, बलवाना।	
७६५	आ०	प०	एद	नद	स०	शक होना।	
७६६	आ०	प०	एन	नठ	स०	पुरुषदृष्टाना।	
७६७	आ०	प०	एन	नठ	स०	सांधना।	
७६८	दि०	प०	एश	नश	स०	मानना।	
७६९	आ०	प०	एष	नष	स०	बलना।	
७७०	आ०	प०	एषि	नष	स०	बलना।	

नम्बर	राण	पद- प्रयोग कालनपदपरसि पद-उभयपद	धातु	मूलरूप	सकर्मकवा अकर्मिक	अर्थ
७६३	धा०	जा०	णप न	णप	स०	चलना।
७६४	धा०	प०	तक	तक	श०	हसना।
७६५	भा०	धा०	चक	चक	स०	चलना।
७६६	भा०	प०	तकि	तक	श०	हसना।
७६७	भा०	धा०	चकि	चक्	स०	चलना।
७६८	भा०	प०	चखि	चख	श०	चलना।
७६९	भा०	प०	तगि	तग	स०	चलना।
७७०	भा०	प०	चगि	चग	श०	चलना।
७७१	भा०	प०	तगि	तग	श०	चलना, कृपना।
७७२	गु०	प०	खव	खव	श०	खना, दागण करना।
७७३	भा०	प०	गच्छ	गच्छ	स०	परा करना।
७७४	भा०	फ०	खन	खन	श०	छोड़ना।
७७५	भा० गु०	प० उ०	तट	तट	अ०	कटना।

नम्बर	गण	पद-प्रयोग- आत्मन-पर- पर-प्रयोग-पर-	धातु	मूलरूप	मकर्मक- प्रकर्मक	अर्थ
२०६	जि.	उ०	नड	नड	प्र०	मारना, प्रकार होना, कृष्ण
२०७	झा०	प्र०	नडि	नडि	प्र०	मारना।
२०८	कं०	प०	नरण	नरण	स०	कृन्ना।
२०९	कु०	उ०	नवि	नव	स०	ऊपर रहनेना।
२१०	खा०	प०	वदि	वर	प्र०	स्वच्छ रहना।
२११	कु०	उ०	ननु	नन	स०	बढ़ाना, विचार करना, सकूनत करना, विष्णु करना, मारना।
२१२	ख०	प०	नप०	नप	प्र०	धूप होना, पछताना।
२१३	दि०	झा०	नप	नप	प्र०	यद्ग्न भाषि होना।
२१४	कु०	उ०	नप	नप	स०	फुंकना।
२१५	दि०	प०	नमु	नम	स०	इच्छा करना।
२१६	झा०	झा०	नप	नप	स०	चलना, प्रचम्ना।
२१७	कु०	उ०	नर्क	नर्क	प्र०	प्रकाश होना, तर्क करना।
२१८	कु०	झा०	नर्न	नर्न	स०	डारना।

नम्वर	राण	निमि सन्नि सन्नि	धलु	निमि सन्नि सन्नि	महाम प्रकर्म	शर्य
८३२	भा०	५०	निमि	निमि	स०	चनना।
८३३	रा०	५०	निग	निग	स०	गदरहोना, पारना।
८३४	रा०	५०	निघ	निघ	रा०	पारना।
८३५	भा०	५०	निम	निम	स०	नीरग कसना, गुरिहोना।
८३६	भा०	५०	निदि	निदि	स०	गुरिहोना, देहहानना।
८३७	भा०	५०	निप	निप	स०	दपकना।
८३८	दि०	५०	निम	निम	स०	गुरिहोना, गुरिहोना, निगना।
८३९	भा०	५०	निम	निम	स०	दोलीकना।
८४०	भा०	५०	निम	निम	स०	दतना।
८४१	भा०	५०	निम	निम	स०	चनना।
८४२	भा०	५०	निम	निम	स०	गुरिहोना, ननाना।
८४३	भा०	५०	निम	निम	स०	प्रकाशहोना
८४४	भा०	५०	निम	निम	स०	नदेस परना।

नम्बर	भाग	पतः अर्थात् मालमिपरातसि पतः अर्थात् पतः	धानु	माल	पतः अर्थात् मालमिपरातसि पतः अर्थात् पतः	अर्थ
८७२	भा०	प०	नुक	नुक	ग०	मारना।
८७३	नु०	प०	नुक	नुक	म०	मारना।
८७४	नु०	फ०	नुंफ	नुंफ	म०	मारना।
८७५	नु०	उ०	नुवि	नुव	श०	३०. १५. १०
८७६	भा० दि०	प०	नुभ	नुभ	स०	मारना।
८७७	भा०	प०	नुयी	नुयी	म०	मारना।
८७८	नु०	प०	नुर	नुर	स०	नलदी चलना।
८७९	नु०	उ०	नुन	नुन	स०	तिलना।
८८०	दि०	प०	नुप	नुप	श०	प्रकाश होने पर नसे
८८१	भा०	प०	नुस	नुस	स०	पोलना।
८८२	भा०	प०	नुह	नुह	स०	मारना।
८८३	भा०	प०	नुहि	नुहि	स०	सवाल करना।
८८४	भा०	प०	नुह	नुह	स०	जानाहर करना।

नमः	गणः	पञ्चमः सप्तमः नवमः	धनुः	मन्त्रः	संज्ञा	शब्दः
१८१	अ०	अ०	नृण	नृण	म०	पूराकरना।
१८२	इ०	अ०	एण	एण	म०	बलना, वेगना, गरना।
१८३	उ०	अ०	नृम	नृम	न०	रिना, पूराकरना।
१८४	मी०	अ०	नृप	नृप	न०	यत्र होना।
			नृ			
१८५	न०	उ०	नृण	नृण	न०	रहना।
१८६	र०	उ०	नृद्	नृद्	र०	गारना, सन्दरकरना।
१८७	इ०	व०	नृप	नृप	न०	नृत होना, प्रकाश होना, तुलना होना।
१८८	मी०	व०	नृप	नृप	न०	लघातना।
१८९	न०	प०	नृफ	नृफ	न०	नुश होना।
१९०	मी०	प०	नृफ	नृफ	न०	नुश होना।
१९१	इ०	प०	नृपा	नृपा	न०	नृपातना, प्रसंज होना।
१९२	मी०	प०	नृप	नृप	न०	प्राप्त लगना।
१९३	न०	प०	नृद्	नृद्	न०	भारना।
१९४	इ०	प०	नृद्	नृद्	न०	भारना।

नम्बर	गण	प्रत्ययः धातुः	धातु	प्रत्ययः धातुः	प्रत्ययः धातुः	अर्थ
६२६	आ०	प०	दस	दस	स०	चलना।
६२७	दि०	प०	दस	दस	अ०	शान्ति होना।
६२८	आ०	पा०	दय	दय	स०	देना, चलना, बचाना।
६२९	आ०	प०	दल	दल	स०	भोग पाटना।
६३०	आ०	पु०	दल	दल	रा०	गोदना, फोड़ना।
६३१	आ०	प्रा०	दशि	दश	स०	कटना, देना, दकन।
६३२	पु०	उ०	दसि	दस	अ०	कहना, शपथना, प्रहना।
६३३	दि०	प०	दमु	दस	प०	नाश होना।
६३४	आ०	प०	दह	दह	स०	पुंखना, जालना, प्रकाशना।
६३५	आ०	प्रा०	दहा	दक्ष	स०	गणना, धनना, बढ़ना।
६३६	आ०	प०	दा	दा	स०	निदा करना।
६३७	आ०	प०	दाण	दात	प०	सृष्टि, ब्रह्म होना।
६३८	आ०	प्रा०	दाय	दाय	अ०	पतन, पत होना।

धान्यर्णव

७५

नम्बर	गण	नवः लोकोत्त सायनोत्तम पदः उपपद्यते	धन	मूल	गुणमयिक, वा प्रक्रमिक	वार्थ
२४०	धा०	प०	दाइ	दाइ	म०	चइ को दाटना।
२४१	धा०	उ०	दाण	दाण	म०	दानदेना।
२४२	धा०	प०	दान	दान	स०	दोदक देना सुखायन रानी।
२४३	धा०	गा०	दाप	दाप	स०	दोदुषण करना।
२४४	धा०	उ०	दाप	दाप	स०	दान देना।
२४५	धा०	प०	दान	दान	ग०	दान देना पुण्य करना।
२४६	धा०	उ०	दाण	दाण	स०	मारना।
२४७	धा०	गा०	दाण	दाण	ग०	दान देना।
२४८	धा०	प०	दाइ	दाइ	ग०	जागना।
२४९	धा०	गा०	दाइ	दाइ	ग०	जागना।
२५०	धा०	प०	दासि	दासि	ग०	जागना।
२५१	धा०	उ०	दि	दि	ग०	वदन होना लय होना।
२५२	धा०	प०	दि	दि	ग०	सुख होना दोस्ती करना।

नम्बर	वाया	परः अक्षान् आत्मनिपदः परमं परः उभयपदः	धानु	मूलरूप	सकर्मक आकर्मक	शब्द
६६६	क्रा०	उ०	दृन्	दृ	स०	मारना।
६६७	आ०	प०	दृ	दृ	अ०	डरना।
६६८	क्रा०	प०	दृ	दृ	स०	मारना।
६६९	स्या०	प०	दृ	दृ	स०	मारना।
६७०	तु०	आ०	दृङ्	दृ	स०	आदरदरना।
६७१	दि०	प०	दृप	दृप	स०	मग्नदृङ्नादृङ्कन नकन्यदृङ्ना।
६७२	तु०	प०	दृप	दृप	अ०	प्रकाशदृङ्नाडरना।
६७३	तु०	उ०	दृप	दृप	अ०	प्रकाशदृङ्नाडरना।
६७४	तु०	उ०	दृप	दृप	स०	एशिदनाना।
६७५	तु०	प०	दृप	दृप	अ०	पीडाहोना।
६७६	तु०	उ०	दृप	दृप	स०	द्विसाष्टदनाना।
६७७	तु०	प०	दृप	दृप	स०	गोठनाडरना।
६७८	तु०	उ०	दृप	दृप	स०	दिरना।
६७९	तु०	प०	दृप	दृप	अ०	ददना।
६८०	तु०	प०	दृप	दृप	अ०	ददना।

धातुर्णव

७६

क्रमांक	धातु	धातु-संज्ञा	धातु-संज्ञा	धातु-संज्ञा	धातु-संज्ञा	धातु-संज्ञा	धातु-संज्ञा
६७६	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६७७	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६७८	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६७९	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८१	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८२	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८३	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८४	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८५	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८६	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८७	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८८	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६८९	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९१	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९२	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९३	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९४	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९५	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९६	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९७	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९८	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
६९९	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०
७००	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०	आ०

सं०	गा०	पद०	पद०	पद०	पद०	पद०
८८८	गु०	३०	दं३	दं३	म०	तल्लीलना।
८८९	गा०	५०	दं४	दं४	म०	छनकरना।
८९०	भा०	५०	दं५	दं५	म०	काटना।
८९१	गु०	३०	ध३	ध३	म०	नाशकरना।
८९२	भा०	५०	धन	धन	म०	नलना।
८९३	भा०	५०	धनि	धन	म०	कटना।
८९४	भा०	५०	ध३	ध३	म०	शंकाघटना।
८९५	भा०	५०	ध५	ध५	म०	बोझना।
८९६	भा०	५०	ध५	ध५	म०	बोझना।
८९७	भा०	५०	ध५	ध५	म०	ध्यानकरना।
८९८	गु०	३०	ध५	ध५	म०	नाशहोना।
९००	भा०	५०	धन	धन	म०	विगहोना, नन्दहोना।
९०१	भा०	५०	धन	धन	म०	अन्नबोझना।
९०२	भा०	५०	धन	धन	म०	घालना।

धात्वर्णव.

८१

नम्बर	राण	प्रत्ययान्त प्रत्ययान्त प्रत्ययान्त	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
१००३	धा०	प०	धवि	धव	स०	बलना।
१००३	धा०	प०	धम	धम	प०	पोलना।
१००४	धा०	प०	धस	धस	प०	पिनना।
१००५	धा०	प०	धाहि	धाह	स०	दुष्करना।
१००६	धा०	प०	धाहि	धाह	प०	प्रयत्नितनगहोदयना।
			धा			
१००७	धा०	प०	धारत	धार	प०	सखनाप्रदुनहोना।
१००८	धा०	प०	धातु	धाव	प०	चनना, खुदहोना।
१००९	धा०	प०	धा	धा	स०	बिलना, जाग फूटना।
१०१०	धा०	प०	धाहि	धाह	प०	प्रयत्नितनगहोदयना।
१०११	+	+	धाहि	धाह	स०	राधिनायकना, शरु करना।
			धि			
१०१२	तु०	प०	धि	धि	प०	ऊपर रखना।
१०१३	धा०	प०	ध्रि	ध्रि	स०	बचना।

नम्बर	शरा	पद. प्रयोग प्रयोग. प्रयोग प्रयोग. प्रयोग	शानु	गणप	पद. प्रयोग प्रयोग. प्रयोग	अर्थ
१०१३	आ०	प०	गिनि	गिनि	अ०	मुगडा होना।
१०१४	कु०	प०	गिप	गिप	अ०	गोन्नन, वेग होना।
१०१६	आ०	आ०	गिदा	गिदा	अ०	प्रकाश होना, दास जीवित होना।
१०१७	दि०	आ०	गीड	गी	स०	ऊपर रहना।
१०१८	आ०	प०	धु	धु	अ०	सुडा होना।
१०१९	आ०	प०	धुन	धुन	स०	चन्ना।
१०२०	आ०	उ०	धुज	धुज	स०	कंपाना।
१०२१	आ०	प०	धुवी	धुर्व	स०	मारना।
१०२२	आ०	आ०	धुदा	धुदा	अ०	प्रकाश होना, दास जीवित होना।
१०२३	कु०	प०	धू	धू	स०	कंपाना, चन्ना।
१०२४	आ०	उ०	धूज	धू	स०	कंपाना।

धात्वर्थेषु

८३

धात्वर्थव						
संख्या	गण	प्रत्यय	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	अर्थ
१०१	अ	अ	अ	अ	अ	शोकसंतापहोना।
१०२	अ	अ	अ	अ	अ	खूब छरवहोना।
१०३	अ	अ	अ	अ	अ	सीबना, गिरना।
१०४	अ	अ	अ	अ	अ	कुश्मिता करना।
१०५	अ	अ	अ	अ	अ	विगाडना, ऊपर रखना।
१०६	अ	अ	अ	अ	अ	ऊपर रखना।
१०७	अ	अ	अ	अ	अ	चलना।
१०८	अ	अ	अ	अ	अ	चलना।
१०९	अ	अ	अ	अ	अ	छुटना, सामर्थ्य होना, बोधना, कोष करना, अनादर करना।
११०	अ	अ	अ	अ	अ	नृत्त होना।

नम्बर	गण	पद. अर्थानि आत्मनः परस्मि मद. उपभोगपरः	धातु	लृट् सकर्मक वा लृकर्मिक	अर्थ
१०५७	आ.	पं.	नी	नीव	ख. मोटाहोना।
१०५८	आ.	पं.	नील	नील	ख. रङ्गहोना।
१०५९	तु.	पं.	नु	नुव	स. मारना।
१०६०	दि.	पं.	नृ	नृव	ख. नाचना।
१०६१	आ.	पं.	नृ	नृ	म. नीविकलाद्वादिनम्
१०६२	आ.	पं.	नृ	नृ	म. चनना।
१०६३	आ.	पं.	प	पव	ख. नाह्वानेनाह्वयितुम्
१०६४	तु.	पं.	पवि	पव	स. बद्धयेयान्ना।
१०६५	तु.	पं.	प्रच्छ	प्रच्छ	स. पूछना।
१०६६	आ.	पं.	पत्रि	पत्र	म. पाना।

नम्बर	गाथा	परः प्रथमः मन्त्रमपराजितः परः प्रथमः	धान्य	मन्त्रः	सकर्मकः सकर्मकः	अर्थः
१०५०	आ०	प०	ना	मीव	श०	मेष्टानेना।
१०५१	आ०	प०	मीव	मीव	श०	रद्वानेना।
१०५२	तु०	प०	नु	नु	स०	मारना।
१०६०	दि०	प०	नृ	नृ	श०	नानेना।
१०६१	आ०	प०	नृ	नृ	स०	नीविकस्वद्वानेना।
१०६२	आ०	प०	नव	नव	स०	चनना।
१०६३	आ०	प०	प	प	स०	नाहारेना।
१०६४	तु०	प०	प्रच्छ	प्रच्छ	स०	बहुतवालेना।
१०६५	आ०	प०	पवि	पवि	स०	छाना।

अक्षर	गण	पदः धान्यनि धान्यनिपदः गणसे पदः उपपद्यमानः	धातु	भूतस्वर	सकर्मकं वा अकर्मकं	शार्थे
१०६६	इधा.	इधा.	पठ	पठ	स.	चनना।
१०६७	उधा.	उधा.	पठ	पठ	स.	कनना।
१०६८	एधा.	एधा.	पठ	पठ	स.	गप्रपकनना।
१०६९	इधा.	इधा.	पठि	पठि	स.	चनना।
१०७०	उधा.	उधा.	पण	पण	स.	नाशकना।
१०७१	एधा.	एधा.	पन	पन	स-य.	देशीकृत, जाऐकृतना।
१०७२	इधा.	इधा.	प्रथ	प्रथ	स.	विषय्येना।
१०७३	उधा.	उधा.	प्रथि	प्रथि	स.	चनना।
१०७४	एधा.	एधा.	पथे	पथे	स.	जादिरक्षेना।
१०७५	इधा.	इधा.	पद	पद	स.	चनना।
१०७६	उधा.	उधा.	पन	पन	स-य.	देशीकृत, जाऐकृतना।
१०७७	एधा.	एधा.	पय	पय	स.	चनना।
१०७८	इधा.	इधा.	पर्ण	पर्ण	स.	दगदोना।
१०७९	उधा.	उधा.	पर्द	पर्द	स.	श्वपशुदोना।
१०८०	एधा.	एधा.	पर्य	पर्य	स.	चनना।

नम्बर	गण	प०. ल०. यति	तन्मिप०. ल०. यति	धातु	प०. ल०. यति	तन्मिप०. ल०. यति	अर्थ
१०५३	स्वा०	प०		नीव	नीव	श०	मेष्टाक्षेना।
१०५४	स्वा०	प०		नीन	नीन	श०	रदुन्ना।
१०५५	तु०	प०		नु	नु	स०	मारना।
१०६०	दि०	प०		नृ	नृ	श०	नाचना।
१०६१	स्वा०	प०		नृ	नृ	स०	नीविकस्नाद्वानि
१०६२	स्वा०	प०		नंव	नंव	श०	चलना।
१०६३	स्वा०	प०		प	प	श०	नाहाद्वेनाद्विद्वे
१०६४	तु०	प०		पवि	पव	स०	बहुजवाल्ना।
१०६५	स्वा०	प०		प्रच्छ	प्रच्छ	स०	पृच्छना।
१०६६	स्वा०	प०		पजि	पज	स०	क्षाना।

संख्या	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१०१	अ	अ	अ	अ	अ	अ
१०२	इ	इ	इ	इ	इ	इ
१०३	उ	उ	उ	उ	उ	उ
१०४	ए	ए	ए	ए	ए	ए
१०५	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ
१०६	अ	अ	अ	अ	अ	अ
१०७	इ	इ	इ	इ	इ	इ
१०८	उ	उ	उ	उ	उ	उ
१०९	ए	ए	ए	ए	ए	ए
११०	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ
१११	अ	अ	अ	अ	अ	अ
११२	इ	इ	इ	इ	इ	इ
११३	उ	उ	उ	उ	उ	उ
११४	ए	ए	ए	ए	ए	ए
११५	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ
११६	अ	अ	अ	अ	अ	अ
११७	इ	इ	इ	इ	इ	इ
११८	उ	उ	उ	उ	उ	उ
११९	ए	ए	ए	ए	ए	ए
१२०	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ

नम्बर	गण	पठः अर्थानि शस्त्रनिपटः परस्मि पठः उभयपदः	धातु	मूलस्वर	मकर्मकवा सकर्मक	अर्थ
१०८०	झा०	घ०	यव	पर्व	अ०	पूरा होना चलना।
१०८१	झा०	झा०	यर्ष	पर्व	अ०	दोस्ती करना।
१०८२	झा०	घ०	पत्र	पत्र	म०	चलना।
१०८३	झा०	उ०	पनत्	पन	स०	दुःख करना। बबाना।
१०८४	झा०	घ०	पनत्	पन	अ०	गिला गिर पड़ना।
१०८५	झा०	घ०	पत्त	पत्	स०	चलना।
१०८६	झा०	झा०	पव	पव	स०	चलना।
१०८७	झु०	उ०	पश	पश	स०	वांधना।
१०८८	झु०	उ०	पशप	पशप	स०	दुःख लेना। क्लेश।
१०८९	५	५	पष	पष	स०	चलना।
१०९०	झा०	घ०	पस	पस	स०	नकली कर देना।
१०९१	दि०	झा०	प्रस	प्रस	स०	जन्म देना। चलना।
१०९२	झा०	झा०	प्रस	प्रस	अ०	बढ़ना।
१०९३	कं०	पु०	पयस्	पयस्	अ०	दुःख होना।
१०९४	उ०	उ०	परि	परि	म०	रपड़ना।
१०९५	झु०	उ०	परि	परि	अ०	नाश होना।

शालग्राम

[illegible]

नम्बर	रागा	पदः प्रथितः लालनेपः पदः उभयपदः	धातु	पिठ्	पिठ्	अर्थ
१०६	भा०	प०	पिठ्	पिठ्	अ०	मारना, नृक-नृकृद्वाणा।
११०	नु०	उ०	पिटि	पिट्	अ०	वहनद्वाना।
११०	भा०	प०	पिवि	पिव	स०	वहनद्वाना।
११०	भा०	प०	पिवि	पिव	स०	सीचना।
११०	नु०	उ०	पिल	पिन	म०	पठाना, भेजना।
११०	रु०	प०	पिपन्	पिप्	स०	पीसना।
१११	नु०	प०	पिग्	पिग्	स०	अङ्ग-पीसना।
१११	नु०	उ०	पिस	पिस	अ०	चलना, प्रकाश होना।
१११	भा०	प०	पित्	पित्	स०	चलना।
१११	भा०	प०	पित्	पित्	म०	चलना।
१११	का०	प०	प्री	प्री	स०	चनना।
१११	दि०	गा०	पीड्	पी	स०	पीना।
१११	दि०	गा०	पीड्	पी	अ०	रुग्ण होना।
१११	का०	उ०	पीज्	प्री	अ०	नृकृद्वाणा, नृकृद्वाणा

नम्बर	गण	पदार्थानि सालनेन प्रसिद्धा पदार्थाः	धातु	प्रत्ययः	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१११६	बु०	उ	वीड	वीड	स०	तकलीक देना।
१११७	भा०	व०	पीप	पीप	स०	सम्बन्ध कराना, पुग बनना।
१११८	भा०	व०	पील	पील	स०	पेकना, छेड़ना, गांफना।
१११९	भा०	व०	पीव	पीव	स०	मोश होना।
११२०	भा०	जा०	पुड	पुड	स०	चलना।
११२१	भा०	जा०	मुड	मुड	स०	चलना।
११२२	भा०	व०	पुच्छ	पुच्छ	स०	प्रमाण करना।
११२३	भा०	व०	पुड	पुड	स०	दांड़ना।
११२४	भा०	व०	पुड	पुड	स०	पुड मिलाकर।
११२५	भा०	व०	पुड	पुड	स०	कटका मिलना।
११२६	भा०	व०	पुड	पुड	स०	मोश कराना, मोश बनना।
११२७	भा०	व०	पुड	पुड	स०	दांड़ना, छेड़ना।
११२८	भा०	व०	पुण	पुण	स०	अच्छा काम करना।
११२९	भा०	व०	पुण	पुण	स०	पाद कराना, पाद बनना।

नम्बर	गण	पदः अर्थानि आत्मनेपदः सकृन् पदः उभयपदः	धातु	प्रत्ययः	सकृन् सकृन् सकृन्	अर्थ
११३२	दि० ख०	प० ख०	पुथ	पुथ	स० स०-स०	मारना। कटना, प्रकारादोना।
११३३	भा०	प०	पुथि	पुथ	स०-स०	मारनादुःखदोना।
११३४	दि०	प०	पुथ्य	पुथ्य	अ०	विगमना, फूलना।
११३५	दि०	प०	पुवि	पुव	अ०	रीरुजाना।
११३६	भा० ख०	प० ख०	पुर्व	पुर्व	स०-स०	पूरुकरना, घसना। रिक्ता।
११३७	ख०	प०	पुर	पुर	स०	आगेषलना।
११३८	दि०	प०	पुरु	पुर	अ०	रीरुजाना।
११३९	भा० ख०	प० ख०	पुल	पुन	प०	महत्तदोना, उन्तादोना।
११४०	दि०	प०	पुनु	पुन	प०	रीरुजाना।
११४१	भा०	प०	पुप	पुप	अ०	मोटादोना, पुटदोना।
११४२	का० का०	प० प०	पुप	पुप	स०-स०	दासीकरणादेवदारी करना, प्रशासना।
११४३	दि०	प०	पुप	पुप	स०	फूकना, जेनाना।
११४४	भा०	प०	पुपु	पुप	स०	हृदना।
११४५	का०	प०	पुपु	पुप	स०	प्रीतिकारणा।

नम्बर	राणा	पद-संख्या सामान्यपद-संख्या नद-उभयपद	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय-संख्या	प्रत्यय-संख्या	अर्थ
११४६	दि०	प०	सुस	सुस	स०	स०	फूंकना, धाटना
११४७	सु०	उ०	पुस	पुस	अ०	अ०	बढ़ना।
११४८	धा०	जा०	पू०	पू०	य०	य०	पतितकरना, शुद्ध करना
११४९	सु०	उ०	पूज	पूज	य०	य०	पूजना।
११५०	व्या०	उ०	पूज	पूज	य०	य०	पवित्रकरना, शुद्ध करना।
११५१	दि०	जा०	पूषा	पूषा	स०	स०	गृह बनाना, नालका
११५२	सु०	उ०	पूषा	पूषा	स०	स०	देखना।
११५३	धा०	जा०	पूषी	पूषी	य०	य०	खट्वा, धातना, दूधाना
११५४	सु०	उ०	पूषी	पूषी	अ०	अ०	टिकना, नसना
११५५	दि०	जा०	पूषी	पूषी	य०	य०	पूषकरना, शराजना।
११५६	सु०	प०	पूष	पूष	अ०	अ०	बढ़ना होना।
११५७	धा०	प०	पूष	पूष	अ०	अ०	बढ़ना।
११५८	सु०	उ०	पूष	पूष	स०	स०	पूषकरना।

नम्बर	भाषा	पदः लघुपदः प्रत्ययः प्रत्ययः	धातु	लृट् लृट्	लृट् लृट्	अर्थ
११५८	भ्वा०	प०	पृच्	पृच्	स०	प्रतिष्ठा करना।
११५९	तु०	आ०	पृड्	पृ	अ०	विस्तार देना, बढ़ा देना।
११६०	झ०	आ०	पृची	पृच्	स०	मिलना, भेट करना।
११६१	सु०	प०	पृच्छ	प्रच्छ	स०	पढ़ना।
११६२	झा०	प०	पृञी	पृज	स०	सलाह करना।
११६३	तु०	प०	पृड्	पृड्	अ०	खुश होना।
११६४	तु०	प०	पृण	पृण	अ०	खुश होना, तृप्त करना।
११६५	तु०	उ०	पृथ	पृथ	स०	गँकना।
११६६	भ्वा०	प०	पृषु	पृष	स०	शोधना।
११६७	झा०	प०	पृ	पृ	स०	पालन, पृथक् करना।
११६८	भ्वा०	आ०	प्रेष्ट	प्रेष्ट	स०	चलाना, नेकी करना, भजना करना।
११६९	भ्वा०	आ०	प्रेव	प्रेव	स०	वापस देना।

नम्बर	गण	परः प्रथमः परः द्वितीयः परः तृतीयः	धातु	सन्तु	सन्तु सन्तु	अर्थ
११७०	आ०	प०	पत्	पत्	स०	घनना, कयाना।
११७१	आ०	क्र०	मेव	मेव	स०	नावेदासीकरना।
११७२	आ०	जा०	पेप	पेप	स०	गावेदासीकरना।
११७३	आ०	प०	प्रेप	प्रेप	स०	कयना।
११७४	आ०	प०	पत्	पत्	स०	चलना।
११७५	आ०	प०	वे	वे	स०	सूखय, कुगना।
११७६	आ०	जा०	वे	वे	स०	घटना।
११७७	आ०	प०	पेण	पेण	स०	चलना, शाना, मिनना।
११७८	आ०	उ०	प्रेष	प्रेष	स०	पूराकरना, दहनकरना।
११७९	आ०	प०	फ	फ	स०	चलना, चलना, दहनकरना।
११८०	आ०	प०	फण	फण	स०	रचना।

संख्या	प्राप्ति	प्रमाण	वस्तु	वर्ण	मूल्य	विवरण
१०२१	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०२२	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०२३	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०२४	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०२५	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०२६	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०२७	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०२८	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०२९	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०३०	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०३१	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०३२	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०३३	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०३४	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०३५	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०३६	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०३७	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०३८	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली
१०३९	आ०	५०	फल	सुन	५०	सुन फल, मिर्च, शाली
१०४०	आ०	५०	कुल	सुन	५०	सुन कुल, मिर्च, शाली

संख्या	वर्ग	प्रमाण	वर्ग	प्रमाण	वर्ग	प्रमाण
१	१	१	१	१	१	१
२	२	२	२	२	२	२
३	३	३	३	३	३	३
४	४	४	४	४	४	४
५	५	५	५	५	५	५
६	६	६	६	६	६	६
७	७	७	७	७	७	७
८	८	८	८	८	८	८
९	९	९	९	९	९	९
१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
११	११	११	११	११	११	११
१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५
१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६
१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७
१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९
२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०

नम्बर	गण	पठः पद्योत्तरः शाल्मनिपठः परः पठः उभयपठः	धातु	गुणरूप	सकर्मक वा अकर्मक	अर्थ
१२३३	भा०	प०	वाञ्छि	वाञ्छ	स०	इच्छा करना।
१२३४	भा०	आ०	वाट्	वाह	म०	कृदिके मारना।
१२३५	अ०	उ०	वान	वान	अ०-म०	रुग्ण होना प्राविदादिपठः
१२३६	दि०	इ०	वाच्यु	वाचन	स०	गणना करना।
१२३७	भा०	आ०	वाध्	वाध	स०	उनदिके मारना।
१२३८	दि०	आ०	वाग्	वाग	स०	बोलना।
१२३९	अ०	उ०	वास	वास	अ०-म०	तावेदादीरुला, खुश- बला ना।
१२४०	भा०	आ०	वाह	वाह	अ०	पलकटना।
१२४१	भा०	प०	वाप्ति	वाह	स०	मनमें कहना।
			वि			
१२४२	अ०	प०	नि	वि	अ०-स०	चलना प्रग करना, हलना करना, गर्भ रहना। रुग्ण होना, फेला गाना।
१२४३	गण०	प०	धि	धि	स०	घर्ष करना।

नम्बर	गण	पत्र. लक्ष्मि यानिपदपरि पद. लक्ष्मिपद.	धातु	लृट्	लृट् लृट्	अर्थ
१२४४	सु०	उ०	विष्क	विष्क	स०	गारुणा द्रवना।
१२४५	सु०	प०	विच्छ	विच्छ	स०	चनना।
१२४६	सु०	उ०	विद	विद	स०	कृदना, प्रकाश होना।
१२४७	सु०	प०	विद	विद	ग०	चोसना, पशुपना, विज्ञान।
१२४८	भा०	शा०	विधृ	विधृ	ग०	गदान् कनना।
१२४९	सु०	शा०	विद	मिद	स०	होना।
१२५०	सु०	शा०	विद	मिद	ग०	दिशाना, चक्षु होना।
१२५१	सु०	प०	विद	विद	म०	सद्वृत्तना, कृदना।
१२५२	भा०	प०	विदि	विदि	स०	वर्ग्य नमना।
१२५३	सु०	उ०	विद	विद	ग०	गर्ह्य होना।
१२५४	सु०	प०	विध	विध	ग०	आग कनना।
१२५५	सु०	उ०	विधिर	विधिर	स०	मुद्विष कनना, प्रनाना।
१२५६	सु०	प०	विल	विल	स०	पान्थ होना।
१२५७	सु०	उ०	विष्	विष्	स०	छाना, प्राद्वाना, होना।
१२५८	सु०	प०	विल	विल	स०	पुष्प कनना।
१२५९	सु०	उ०	विष्	विष्	स०	सर्वकनना, होना।

नम्बर	राग	पदः रागोति कालनिर्भरः पदः उभयपदः	धातु	हिं कृत्	सि कृत्	चवे
१३०६	स्वा०	प०	वेत्	वेत्	म०	वनना।
१३०७	भा०	ग्रा०	वेद्	वेद्	ग्रा०	नदीकृत्युद्धवत्
१३०८	स्वा०	प०	वन्तु	वत्	स०	वनना।
१३०९	स्वा०	प०	वन्	वन्	स०	वांश्चन।
१३१०	स्वा०	प०	वन्	वन्	स०	वनना।
१३११	स्वा०	उ०	अत्	अत्	स०	तोदयिदना।
१३१२	तु०	प०	भृत्	भृत्	म०	पकाना।
१३१३	तु०	उ०	भति	भत्	स०	कटना।
१३१४	भा०	प०	भट्	भट्	स०	नदीकृत्युद्धवत्, महनते करना।
१३१५	तु०	प०	भृद्	भृद्	स०	लाना।
१३१६	स्वा०	ग्रा०	भृत्	भृत्	स०	कटना।
१३१७	स्वा०	उ०	भृत्	भृत्	स०	नदीकृत्युद्धवत्, वाल्ना।
१३१८	भा०	प०	भृत्	भृत्	स०	वेत्तना।

[illegible]

नम्बरा	गण	पदार्थ	आत्मनः पदार्थ	आनु	गुण	सकर्मकता	अर्थ
१३१३	आ०	प०	आ	आ	आ	अ०	प्रकाशहेना।
१३१४	बु०	उ०	आज	आज	अ०	अ०	जनगहेना।
१३१५	आ०	आ०	आनृ	आनृ	अ०	अ०	प्रकाशहेना।
१३१६	आ०	आ०	आम	आम	अ०	अ०	वेनाहेना।
१३१७	आ०	आ०	आप	आप	स०	स०	वालिना।
१३१८	आ०	आ०	आस	आस	अ०	अ०	प्रकाशहेना।
			मि				
१३१९	कं०	प०	मिषज्	मिषज्	स०	स०	रिगदूरकरना।
१३२०	कं०	प०	मिहज्	मिहज्	स०	स०	गोवेदारीकरना।
१३२१	आ०	प०	मिदि	मिद्व	स०	स०	अन्नयनाना।
१३२२	रु०	उ०	मिदिर	मिद	स०	स०	विदीपीकरनाफेहेना।
१३२३	बु०	उ०	मिन्	मिन	स०	स०	चोड़चोड़करना।
१३२४	आ०	प०	मिप	मिप	स०	स०	रिगदूरकरना।

नम्बर	शब्द	धातु	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	अर्थ
१५५१	आ-	प-	मिष	मिष	म-	पानना, पानना।
१५५८	प्रा-	प-	मी	मी	म-	पानना।
१५५९	रु-	प-	मु	मु	म-	पानना, पानना।
१५६०	मु-	प-	मु	मु	म-	पानना।
१५६१	व-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना, पानना, पानना।
१५६२	मा-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना।
१५६३	व-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना, पानना।
१५६४	मु-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना, पानना।
१५६५	प्रा-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना।
१५६६	प्रा-	प-	प्रा	प्रा	म-	पानना।

नम्बर	गण	प्रमाण प्रमाण प्रमाण	भात	प्रमाण	प्रमाण	सर्व
१३५५	आ०	उ०	भुज	भुज	स०	पानना।
१३५६	कु०	उ०	भुज	भु	स०	पानना।
१३५७	दि०	प०	भुज	भुश	श०	नीचे गिरना।
१३५८	क्या०	प०	भु	भु	स०	ठहरना।
१३५९	आ०	आ०	भेज	भेज	अ०	भकाशहोना।
१३६०	आ०	उ०	भेष्ट	भेष्ट	अ०	ठहरना, चलना।
१३६१	आ०	उ०	भेष्ट	भेष्ट	स०	चलना।
१३६२	आ०	उ०	भेष्ट	भेष्ट	स०	चलना।
१३६३	आ०	आ०	भेष	भेष	अ०	गिरना।
१३६४	आ०	उ०	भेष	भेष	अ०	ठहरना।
१३६५	रु०	प०	भंज	भंज	स०	बांधना, मोदना।
१३६६	दि०	प०	भंश	भंश	अ०	नीचे गिरना।

क्रमा	भाषा	पदार्थोपनिषद्	धातु	लृट्	लृट्	धर्म
१६१	भा.	धा.	भृषु	भृम्	लृ.	नृदिगिरता।
			न			
१६२	भा.	प.	गङ्ग	गङ्ग	ग.	चनना।
१६३	भा.	धा.	गस्क	गस्क	ग.	चनना, चेतना।
१६४	भा.	धा.	गमि	गम	ग.	चलना, चरितना।
१६५	भा.	प.	गवा	गव	ग.	चनना।
१६६	भा.	प.	गवद	गवद	ग.	चनना।
१६७	भा.	प.	गमि	गम	ग.	चनना।
१६८	भा.	प.	गपि	गप	ग.	चरितना।
१६९	भा.	धा.	गवि	गव	ग.	चनना, चेतना।
१७०	भा.	धा.	गदी	गद	ग.	चनना।
१७१	भा.	प.	गूर	गूर	ग.	चनना।
१७२	भा.	धा.	गदि	गद	ग.	चनना, चेतना।
१७३	भा.	प.	गज्ज	गज्ज	ग.	चनना, चेतना।

नम्बर	राणा	परस्परानि पदपरस्परानि पदपरस्परानि	धनु	मह	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१४०६	दि०	प०	मसी	मस	अ०	जोरजगह सो होना
१४०७	म्या०	प०	मह	मह	स०	पूजना।
१४०८	जु०	उ०	महि	मंह	स०	रकार होना।
१४०९	म्या०	अ०	मदा	मदा	अ०	बढ़ना, अधानना।
१४१०	जु०	प०	महा	महा	अ०	बढ़ना होना, देना होना।
१४११	उ०	उ०	महा	महा	अ०	खफा होना।
१४१२	अ०	प०	मा	मा	स०	दोस्ती करना, अपराध होना।
१४१३	म्या०	अ०	मा	मा	स०	गोलना।
१४१४	जु०	अ०	मा	मा	स०	गोलना।
१४१५	म्या०	अ०	मान	मान	स०	पूजना।
१४१६	जु०	अ०	मान	मान	स०	विचारना।
१४१७	म्या०	प०	मार्ग	मार्ग	अ०	अभ्यास करना।
१४१८	जु०	उ०	मार्ग	मार्ग	स०	इंद्रना, खोज करना।
१४१९	जु०	उ०	मार्ज	मार्ज	स०	संस्कार करना।
१४२०	म्या०	उ०	माह	माह	स०	गोलना।
१४२१	म्या०	प०	माहि	माहि	स०	मन में कहना।

14-00000

$\frac{d}{dt}$

1. Introduction
 2. Background
 3. Methodology
 4. Results
 5. Conclusion
 6. References

2025

1. 2	2	2001
1. 3	3	2001
1. 4	4	2001
1. 5	5	2001
1. 6	6	2001
1. 7	7	2001
1. 8	8	2001
1. 9	9	2001
1. 10	10	2001
1. 11	11	2001
1. 12	12	2001
1. 13	13	2001
1. 14	14	2001
1. 15	15	2001
1. 16	16	2001
1. 17	17	2001
1. 18	18	2001
1. 19	19	2001
1. 20	20	2001
1. 21	21	2001
1. 22	22	2001
1. 23	23	2001
1. 24	24	2001
1. 25	25	2001
1. 26	26	2001
1. 27	27	2001
1. 28	28	2001
1. 29	29	2001
1. 30	30	2001
1. 31	31	2001
1. 32	32	2001
1. 33	33	2001
1. 34	34	2001
1. 35	35	2001
1. 36	36	2001
1. 37	37	2001
1. 38	38	2001
1. 39	39	2001
1. 40	40	2001
1. 41	41	2001
1. 42	42	2001
1. 43	43	2001
1. 44	44	2001
1. 45	45	2001
1. 46	46	2001
1. 47	47	2001
1. 48	48	2001
1. 49	49	2001
1. 50	50	2001
1. 51	51	2001
1. 52	52	2001
1. 53	53	2001
1. 54	54	2001
1. 55	55	2001
1. 56	56	2001
1. 57	57	2001
1. 58	58	2001
1. 59	59	2001
1. 60	60	2001
1. 61	61	2001
1. 62	62	2001
1. 63	63	2001
1. 64	64	2001
1. 65	65	2001
1. 66	66	2001
1. 67	67	2001
1. 68	68	2001
1. 69	69	2001
1. 70	70	2001
1. 71	71	2001
1. 72	72	2001
1. 73	73	2001
1. 74	74	2001
1. 75	75	2001
1. 76	76	2001
1. 77	77	2001
1. 78	78	2001
1. 79	79	2001
1. 80	80	2001
1. 81	81	2001
1. 82	82	2001
1. 83	83	2001
1. 84	84	2001
1. 85	85	2001
1. 86	86	2001
1. 87	87	2001
1. 88	88	2001
1. 89	89	2001
1. 90	90	2001
1. 91	91	2001
1. 92	92	2001
1. 93	93	2001
1. 94	94	2001
1. 95	95	2001
1. 96	96	2001
1. 97	97	2001
1. 98	98	2001
1. 99	99	2001
1. 100	100	2001

[illegible][illegible]

नम्बर	राधा	पत्र. लुपति. लामने स. वाम पत्र. लुपति.	धतु	सुप्	प्रकर्मक लकर्मक	अर्थ
१४४२	भा.	५५	मुज	मुज	स.	चतना।
१४४३	भा.	५५	मुनि	मुं	स.	चन्ना।
१४४४	भा.	५५	मुद	मुद	स.	दादना, रोदना, पैकना।
१४४५	भा.	५५	मुठ	मुठ	स.	मना, पानना।
१४४६	भा.	५५	मुठि	मुं	स.	उपना, बाढासप
१४४७	मुं.	५५	मुण	मुण	स.	जानना, भानना।
१४४८	मु.	५५	मुस	मुस	स.	बदना, दोना।
१४४९	भा.	५५	मुव	मुव	स.	मुवदना।
१४५०	भा.	५५	मुर्	मुर्	स.	बांधना।
१४५१	भा.	५५	मुर्	मुर्	स.	मुसदना, वदना।
१४५२	मु.	५५	मु	मु	स.	लेपना।
१४५३	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।
१४५४	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।
१४५५	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।
१४५६	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।
१४५७	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।
१४५८	मु.	५५	मु	मु	स.	मुसदना।

नम्बर	गण	पद	भाव	संज्ञा	संज्ञा	अर्थ
१४५६	वि.	प.	मुप	मुप	सं.	छटना।
१४६०	वि.	प.	मुस	मुस	सं.	काटना।
१४६१	वि.	प.	मुह	मुह	अ.	वेत्तवहोना।
१४६३	ग्या.	ग्या.	मुह	मु	सं.	बांधना।
१४६३	उ.	उ.	मुन	मुन	अ.	दपकना।
१४६४	ग्या.	ग्या.	मुन	मुन	अ.	जामना।
१४६५	ग्या.	ग्या.	मुप	मुप	सं.	आदरकरना।
१४६६	ग्या.	ग्या.	मु	मु	सं.	बारीकरना।
१४६६	ग्या.	ग्या.	मु	मु	सं.	चलना।
१४६७	ग्या.	ग्या.	मुग	मुग	सं.	हरना।
१४६८	ग्या.	ग्या.	मुह	मु	सं.	मारना।
१४६८	ग्या.	ग्या.	मुन	मुन	सं.	गुदहोना।
१४७०	ग्या.	ग्या.	मुह	मुह	अ.	गुदहोना।

नम्बर	गण	पद	पद	पद	पद	पद
१४७१	सु०	प०	मृण	मृण	स०	मारना।
१४७२	स्या०	प०	मृद	मृद	स०	क्रोधकरना।
१४७३	स्या०	उ०	मृध	मृध	स०	नरहोना।
१४७४	नु०	प०	मृश	मृश	स०	छुनेना।
१४७५	झा०	प०	मृष	मृष	ग०	सीबना, रामसाना।
१४७६	झा०	उ०	मृ	मृ	स०	मारना।
१४७७	क्या०	प०	मे	मे	स०	मानना।
१४७८	स्या०	स्या०	मेद	मे	स०	दानदेना।
१४७९	स्या०	प०	मेद	मेद	स०	खपखान देना।
१४८०	स्या०	स्या०	मेद	मेद	स०	पापदेना।
१४८१	स्या०	उ०	मेद	मेद	स०	मारना, बुद्धिहोना।
१४८२	स्या०	उ०	मेद	मेद	स०	बुद्धिहोना, मारना।
१४८३	स्या०	उ०	मेध	मेध	स०	साथकरना, सुझाना।

नम्बर	गण	परार्थान्तर पदः उपपद्यते	धातु	प्रत्यय	प्रत्ययार्थ	अर्थ
१४८३	कं	प०	मेधा	मेधा	स०	जलदी चरना।
१४८४	म्वा०	आ०	मेह	मेव	स०	नावेदारी करना।
१४८५	म्वा०	आ०	मेह	मेव	स०	नावेदारी करना।
१४८६	म्वा०	आ०	मेय	मेय	स०	चलना।
१४८७	ध्या०	धु०	मेस	मेस	अ०	धोरोलना।
१४८८	म्वा०	प०	मे	मे	अ०	धातु निरना।
१४८९	म्वा०	प०	मज्ज	मंज	अ०	गुहकना, जलप्ररोना।
१४९०	म्वा०	प०	मंय	मंय	स०	उत्पटिके मारना।
१४९१	कं	प०	मंतु	मंत	अ०	चूक होना, खफा होना।
१४९२	म्वा०	उ०	यज	यज	स०	दिव्यजन, साधकना।
१४९३	धु०	उ०	यत्रि	यंत्र	अ०	छाया होना।
१४९४	म्वा०	आ०	यनी	यन्	अ०	यन्त्र करना।

नम्बर	गण	पदः लघ्यात् प्रत्ययान्तः प्रत्ययान्तः पदः उपधापदः	धातु	मूलरूप	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१४६५	आ.	प.	यभ	यभ	स०	स्त्रीसंयोगकरना।
१४६६	आ.	प.	यम	यम्	अ०	पकाटना।
१४६७	आ.	प.	यमो	यम्	स०	नपटना।
१४६८	इ.	प.	यमु	यस्	स०	घेरकरना, पस्विपकरना।
१४६९	उ.	आ.	यस	यस	अ०	उपायकरना।
१४७०	अ.	प्र.	या	या	स०	पृजना।
१४७१	आ.	प.	यु	यु	स०	शामकरना।
१४७२	उ.	आ.	यु	यु	स०	पितृमातृ मिलान्ना।
१४७३	आ.	प.	युगि	युंग	स०	छाना निंदा करना।
१४७४	आ.	प.	युच्छ	युच्छ	अ०	पीकूफकरना।
१४७५	उ.	अ.	युन	युन	अ०	मस्त होना।
१४७६	उ.	अ.	युन	युन	अ०	प्रतिष्ठाकरना, निष्ठाकरना।
१४७७	उ.	अ.	युन	युन	स०	पानग वेचना।

नम्बर	गण	पदः प्रथमः द्वितीयः तृतीयः चतुर्थः	धनु	रि	संख्या प्रथमः द्वितीयः	शब्द
१५३३	भा०	प०	गक	रक	स०	भारना, दलना।
१५३४	भा०	शा०	रवि	रं	म०	बोलना, दलना।
१५३५	भा०	जा०	रभ	रभ	म०	शुद्धीकरण।
१५३६	भा०	का०	रभी	रभ	म०	मफा बोलना।
१५३७	भा०	खा०	रम	रन	श०	झीड़ा करना, वेचना।
१५३८	भा०	शा०	रप	रप	म०	बलना।
१५३९	भा०	प०	रज	रज	स०	बोलना।
१५४०	भा०	प०	रत	रत	स०	भारना, बोलना, मृदा लेना।
१५४१	भा०	प०	रह	रह	स०	होना।
१५४२	भा०	प०	रहि	रं	स०	चलना।
१५४३	भा०	प०	रह	रह	म०	पानना करना।
१५४४	भा०	प०	रा	रा	स०	दान देना।
१५४५	भा०	प०	राख	राख	स०	सुरक्षित रखना, दान देना।
१५४६	भा०	प०	राख	राख	स०	शोधना, पढ़ना।

नं०	गंगा	प्रमाण	धानु	मिटर	मिटर	अर्थ
१४४१	आ०	१०	गण	गण	१०	गृहस्थानुगतु १०००।
१४४२	आ०	२०	गण	गण	२०	प्रथमगणना।
१४४३	गु०	३०	गण	गण	३०	सिद्धिदोना।
१४४४	दि०	४०	गण	गण	४०	गणना।
१४४५	गण०	५०	गण	गण	५०	दोना।
१४४६	गण०	६०	गण	गण	६०	दोना।
१४४७	गण०	७०	गण	गण	७०	दोना।
१४४८	गण०	८०	गण	गण	८०	दोना।
१४४९	गण०	९०	गण	गण	९०	दोना।
१४५०	गण०	१००	गण	गण	१००	दोना।
१४५१	गु०	१०	गण	गण	१०	दोना।
१४५२	गु०	२०	गण	गण	२०	दोना।
१४५३	गु०	३०	गण	गण	३०	दोना।
१४५४	गु०	४०	गण	गण	४०	दोना।
१४५५	गु०	५०	गण	गण	५०	दोना।
१४५६	गु०	६०	गण	गण	६०	दोना।
१४५७	गु०	७०	गण	गण	७०	दोना।
१४५८	गु०	८०	गण	गण	८०	दोना।
१४५९	गु०	९०	गण	गण	९०	दोना।
१४६०	गु०	१००	गण	गण	१००	दोना।

नम्बर	गण	पदः प्रथमः पदः अन्तः पदः अन्तः	धातु	भूतः	सकृदर्थः सकृदर्थः	शब्दः
१५५८	आ०	प०	रि	रि	स०	चलना।
१५५९	आ०	प०	रि	रि	अ०	विगहोना।
१५६०	रु०	उ०	रि	रि	स०	क्रिकरना।
१५६१	तु०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६२	आ०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६३	आ०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६४	तु०	प०	रि	रि	स०	मारना।
१५६५	नरा०	प०	री	री	स०	चलना।
१५६६	दि०	आ०	री	री	अ०	सुन्ना।
१५६७	आ०	उ०	री	री	स०	लिना।
१५६८	आ०	प०	रु	रु	स०	बोलना।
१५६९	आ०	आ०	रु	रु	स०	चलना, मारना।

धात्वर्थोप

१२७

नम्बर	गण	पदः प्रयोगः मि नपदमपदः पदः प्रयोगः	धातु	ह्रस्वः	सकृदिति	अर्थ
१५३०	आ.	आ.	रुच्	रुच	अ.	प्रकाशमानता, प्रदीपनता
१५३१	तु.	उ.	रुज	रुज	स.	मासना।
१५३२	तु.	उ.	रुनो	रुज	उ.	दिगाडना।
१५३३	आ.	आ.	रुद्	रुद्	सञ्ज.	उन्नीतिके मारना, प्रकाश मान।
१५३४	आ.	प.	रुटि	रुटि	स.	चोरी करना।
१५३५	आ.	प.	रुठ	रुठ	स.	घोमना, उन्नीतिके मारना
१५३६	आ.	प.	रुठि	रुठ	स.	चलना, चोरी करना।
१५३७	आ.	प.	रुठि	रुठि	स.	चोरी करना।
१५३८	वि.	प.	रुप	रुप	अ.	घोड़िताना।
१५३९	अ.	प.	रुधिर	रुध	अ.	सांस गिरना।
१५४०	अ.	उ.	रुधिर	रुध	स.	बाद से खना।
१५४१	तु.	प.	रुज्	रुज्	ग.	मारना।
१५४२	तु.	उ.	रुजि	रुजि	अ.	खपा जाना।
१५४३	आ.	प.	रुप	रुप	म.	खाना।
	हि.	प.			र.	विचार करना।

नम्बर	गण	पद. प्रयोग आत्मनिपट.परस्मि पाठ.उभयपत्र.	धातु	प्रत्यय	सकर्मक अकर्मक	अर्थ
१५८४	भ्वा.	प०	रुह	रुह	अ०	वीजनाम्ना, कारक निकलना।
१५८५	बु०	उ०	रुदा	रुद्	अ०	मिडरदाना।
१५८६	भ्वा.	आ०	रु	रु	स०	पोलना।
१५८७	बु०	उ०	रुत्	रुप्	स०	पद्मिना. रूपदेखना, सम्यक् देखना।
१५८८	भ्वा.	प०	रुह	रुह	स०	पद्मिना।
१५८९	बु०	उ०	रुह	रुह	अ०	कथाहोना।
१५९०	भ्वा.	आ०	रुह	रुह	अ०	रुहमानना।
१५९१	कं	प०	रुह	रुह	अ०	रुहमनीकरनकरहोना।
१५९२	भ्वा.	आ०	रुह	रुह	अ०	प्रकाशहोना।
१५९३	भ्वा.	उ०	रुह	रुह	अ०	रुहना।
१५९४	भ्वा.	उ०	रुह	रुह	अ०	रुहपोलना।
१५९५	भ्वा.	उ०	रुह	रुह	स०	चनना, धोना।

धानराज

१२८

नम्र	गण	प्रधान	धनु	प्रधान	प्रधान	प्रधान
१२८	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१२९	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३०	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३१	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३२	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३३	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३४	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३५	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३६	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३७	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३८	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१३९	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४०	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४१	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४२	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४३	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४४	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४५	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४६	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४७	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४८	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१४९	गण	गण	गण	गण	गण	गण
१५०	गण	गण	गण	गण	गण	गण

धालगाव

३

क्र.सं.	नाम	वर्ग	प्राप्ति	वर्ग	प्राप्ति	वर्ग	प्राप्ति
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०

नम्बर	गण	प्रत्ययान्तरः कर्मप्रत्ययः प्रत्ययः	धातु	धातु	कर्मप्रत्ययः प्रत्ययः	शब्द
१३०१	नु०	उ०	रुण	रुण	स०	रानी।
१३०२	नु०	उ०	रुन	रुन	श०	रकागद्गना।
१३०३	भा०	प०	वेत्त	वेत्त	स०	चलना।
१३०४	भा०	प०	वेत्त	वेत्त	स०	चलना।
१३०५	भा०	प०	वेम्	वेम्	स०	चलना।
१३०६	भा०	प०	वे	वे	स०	चलना, नुराना।
१३०७	दि०	उ०	शक	शक	अ०	नक्तनहोना, शक्ति
१३०८	भा०	प०	शक	शक	स०	चलना।
१३०९	भा०	आ०	शकि	शंक	अ०	चलना, शक्ति
१३१०	भा०	आ०	शकि	शंक	स०	चलना।
१३११	भा०	आ०	शकि	शंक	स०	चलना।

धात्वर्णव

१३६

क्र.सं.	गण	प्रथमा द्वितीया तृतीया	धातु	प्रत्यय	लङ्	धर्म
१३७	आ.	प.	अभि	अभि	अ.	चलना।
१३८	आ.	प.	प्लगि	प्लगि	अ.	चलना।
१३९	आ.	आ.	अच	अच	अ.	सकलवदना, चलना।
१४०	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४१	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४२	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४३	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४४	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४५	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४६	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४७	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४८	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१४९	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५०	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५१	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५२	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५३	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५४	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५५	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५६	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५७	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५८	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१५९	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।
१६०	आ.	आ.	अच	अच	अ.	चलना।

धात्वणिव

१४१

संख्या	गण	पद-प्रयोग- प्रत्यय-प्रत्यय	धातु	लृट्	लृट्-प्रत्यय- प्रत्यय	धर्म
११४६	आ.	आ.	अल	अल	स.	चनना, पारदा करना।
११४७	आ.	अ.	अल	अल	रा.	अलटी चनना।
११४८	आ.	अ.	अल	अल	म.	अलटी चनना।
११४९	आ.	अ.	अल	अल	रा.	मीदना करना।
११५०	आ.	अ.	अल	अल	रा.	गति होना।
११५१	आ.	आ.	अल	अल	रा.	चनना, पाना।
११५२	आ.	अ.	अल	अल	रा.	कूटना।
११५३	आ.	अ.	अल	अल	न.	भारना।
११५४	आ.	अ.	अल	अल	अ.	आगी बंद होना, स्वाद हाना।
११५५	आ.	आ.	अल	अल	अ.	नोच पारी होना।
११५६	आ.	अ.	अल	अल	स.	गारना।
११५७	आ.	अ.	अल	अल	स.	पदना, बिलार करना।
११५८	आ.	अ.	अल	अल	स.	इगारना, इगारना।

नम्बर	गण	पदः प्रथमः पदः द्वितीयः पदः तृतीयः	धातु	लृट्	लृट् मकर्मकः प्रकर्मकः	अर्थ
१३२५	तु०	उ०	ज्व	ज्व	य०	नताकनक्षेत्रा
१३२६	भा०	जा०	अवि	अवि	स०	नताकनक्षेत्रा
१३२७	भा०	प०	गद्	गद्	य०	चलना
१३२८	तु०	उ०	गद्	गद्	स०	कडना
१३२९	भा०	उ०	गप्	गप्	स०	गापदेना
१३३०	भा०	प०	गव	गव	स०	चलना
१३३१	भा०	भा०	शल्भ	शल्भ	स०	कडना
१३३२	तु०	उ०	गदन्	गदन्	स०	चलना
१३३३	तु०	उ०	शम	शम	स०	निगानादेखना
१३३४	दि०	प०	शमु	शम	अ०	तपकरणादि होना
१३३५	दि	प०	अमु	अम	अ०	तपकरणा
१३३६	भा०	प०	शमो	शम	स०	देखना
१३३७	भा०	प०	यर्व	यर्व	य०	चलना, माणा
१३३८	तु०	उ०	श्वर्त	श्वर्त	स०	चलना

क्र	गण	प्रत्ययान्ति जानने प्रमाण पद उपपन्न	धातु	प्रत्यय	प्रत्ययान्ति जानने प्रमाण पद उपपन्न	अर्थ
१३६	आ०	आ०	गन	यत्	स०	चनना, पाटा करना।
१३७	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	जननी चनना।
१३८	आ०	प०	गत्	यत्	स०	जननी चनना।
१३९	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	मीदना करना।
१४०	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	गतिदेना।
१४१	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	चनना, पाना।
१४२	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	कृदना।
१४३	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४४	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४५	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४६	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४७	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४८	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१४९	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१५०	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१५१	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।
१५२	आ०	प०	गत्	यत्	रा०	भारना।

गण

धनु

हि

अथ

१	तु०	उ०	अथि	अथे	स०
१७२	भा०	सां०	शद	शद	स०
१७३	भा०	प०	शद	शद	स०
१७४	तु०	उ०	शद	शद	स०
१७५	भा०	सां०	शद	शद	स०
१७६	भा०	प०	शद	शद	स०
१७७	तु०	उ०	शद	शद	स०
१७८	भा०	सां०	शद	शद	स०
१७९	भा०	प०	शद	शद	स०
१८०	तु०	उ०	शद	शद	स०
१८१	भा०	सां०	शद	शद	स०
१८२	भा०	प०	शद	शद	स०
१८३	तु०	उ०	शद	शद	स०
१८४	भा०	सां०	शद	शद	स०
१८५	भा०	प०	शद	शद	स०
१८६	तु०	उ०	शद	शद	स०
१८७	भा०	सां०	शद	शद	स०
१८८	भा०	प०	शद	शद	स०
१८९	तु०	उ०	शद	शद	स०
१९०	भा०	सां०	शद	शद	स०
१९१	भा०	प०	शद	शद	स०
१९२	तु०	उ०	शद	शद	स०
१९३	भा०	सां०	शद	शद	स०
१९४	भा०	प०	शद	शद	स०
१९५	तु०	उ०	शद	शद	स०
१९६	भा०	सां०	शद	शद	स०
१९७	भा०	प०	शद	शद	स०
१९८	तु०	उ०	शद	शद	स०
१९९	भा०	सां०	शद	शद	स०
२००	भा०	प०	शद	शद	स०

देना

निर्गनादेखना

भारना

चलना

क्र.	भा.	प्रथमि आत्मि पदः प्रथमः	धातु	रूपा	कर्म	अर्थ
१३३	भा.	आ.	गन	गन्त	स.	चनना, परदा करना।
१३४	भा.	प.	खत्त	खत्त	स.	जलटी चनना।
१३५	भा.	प.	खत्त	खत्त	स.	जलटी चनना।
१३६	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१३७	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१३८	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१३९	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४०	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४१	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४२	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४३	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४४	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४५	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४६	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४७	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४८	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१४९	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१५०	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१५१	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।
१५२	भा.	प.	गदत्	गद	स.	मीदना करना।

नम्बर	गण	परः अथवा आन्तः पर्याय परः उभयपक्षः	धतु	प्रतिपद	सकर्मक प्रतिपद	अर्थ
१३७२	धा०	धा०	गीड्	गी	घ०	साता।
१३७३	का०	ऊ०	गीड्	गी	म०	पकाना।
१३७४	भा०	धा०	गीमृ	गीम	स०	कहना।
१३७५	भा०	ऊ०	गीति	गीन	घ०	पलंगवर्तिकं ममा लुगाना।
१३७६	भा०	फ०	स्मी	स्मीन	घ०	छोराझना।
१३७७	भा०	फ०	गु	गु	स०	मुनना, चलना।
१३७८	भा०	फ०	गुक	गुक	स०	चलना।
१३७९	भा०	फ०	गुव	गुव	स०	गोचना।
१३८०	भा०	फ०	गुच	गुच	घ०	गोचकरना, जराहना।
१३८१	भा०	फ०	गुच	गुच	स०	खनादरकना, जराहना।
१३८२	भा०	फ०	गुव	गुव	स०	उन्नति देना, नदी पकना।
१३८३	लु०	ऊ०	गुव	गुव	घ०	थलमाना।
१३८४	भा०	ऊ०	गुमि	गुम्	घ०	भ्रष्टना।
१३८५	लु०	फ०	गुण	गुण	स०	चलना।

धात्वर्थाव

२४५

नम्बर	गण	पठः प्रथमः पठः द्वितीयः पठः तृतीयः	धातु	लृट्	लृट् लृट्	अर्थ
१५१	दि.	प.	उद	उठ	प.	पठित होना।
१५२	भा.	प.	उंघ	उंघ	प.	दाफला।
१५३	मु.	उ.	उन	उन	प.	उद्वहना।
१५४	मु.	फ.	उन	उन	स.	चलना।
१५५	भा.	प.	उम	उम	प.	पूरवृत्तहोना।
१५६	मु.	प.	उंम	उंम	स.	कहना, मोहना।
१५७	भा.	छा.	उम	उम	प.	प्रकाशित होना।
१५८	दि.	छा.	उर	उर	प.	गुह्य होना।
१५९	भा.	प.	उर	उर	स.	धारना, शोभना, रोचना।
१६०	मु.	उ.	उत्तिर	उत्तिर	प.	रपचना।
१६१	मु.	उ.	उत्ति	उत्ति	स.	नेत्रनादेना।
१६२	मु.	उ.	उत्ति	उत्ति	स.	उत्तिनसुत्ति, कारन, भाव, कर्तनी।
१६३	दि.	क.	उप	उप	प.	सुखना।
१६४	भा.	प.	मु	मु	स.	सुनना।
१६५	मु.	उ.	मु	मु	स.	गानना।
१६६	मु.	उ.	मु	मु	प.	सुखना, सुखी, सुखी, सुखी।

नम्बर	गावा	पर. स्थानि. प्रमाणपत्र परम मत्त. उपपत्र पर.	धान्य	मल्ल	सकर्मक कर्म	कार्य
१८०५	दि०	सा०	शू	शू	स०	मास्ता, याम्ना, गेला।
१८०६	दि०	सा०	शू	शू	स०	मारना, गेला।
१८०७	भा०	प०	शू	शू	स०	गेला, गेला।
१८०८	भा०	प०	शू	शू	स०	प्रसव करना।
१८०९	भा०	प०	शू	शू	स०	बोनन, फट होना।
१८१०	भा०	उ०	शू	शू	स०	पपर, शू, होना, फट होना।
१८११	भा०	प०	शू	शू	स०	मारना।
१८१२	भा०	सा०	शू	शू	स०	गोबेदारी करना।
१८१३	भा०	प०	शू	शू	स०	चलना, चला।
१८१४	भा०	प०	शू	शू	स०	पकाना।

धात्वर्णव

२४३

नम्बर	रागा	मै. धातु	धातु	मै. धातु	मै. धातु	धर्म
१९१	भा.	पा.	गो	गो	स.	चलना।
१९२	दि.	प.	गो	गो	स.	महीन करवाइतना करना।
१९३	बु.	उ.	गोक	गोक	स.	बघाना।
१९४	भा.	पा.	गोक	गोक	स.	यकृत होना।
१९५	भा.	प.	गोक	गोक	स.	वर्ण करना, चलना।
१९६	भा.	प.	गोक	गोक	स.	मगूर होना।
१९७	भा.	प.	गोक	गोक	स.	रचना करना।
१९८	भा.	प.	गोक	गोक	स.	बांधना।
१९९	भा.	प.	गोक	गोक	स.	पलटोना।
२००	भा.	प.	गोक	गोक	स.	घावमानना।
२०१	भा.	प.	गोक	गोक	स.	माई प्र करना।
२०२	भा.	प.	गोक	गोक	स.	चलना।

नम्बर	गण	पद अर्थानि आत्मनिपदपरम पद उभयपद	धानु	सिद्धि	सिद्धि सिद्धि	अर्थ
१८२६	स्वा०	प०	चगे	सग	स०	छाना।
१८२७	स्वा०	प०	पध	सध	स०	मारना।
१८२८	भा०	शा०	पच	सच	स०	सौचनप्रोवेदारीकरना।
१८२९	स्वा०	उ०	पच	सच	स०	संबन्धकरना।
१८३०	स्वा०	प०	पछ	सछ	स०	चलना।
१८३१	स्वा०	प०	पद	सद	स०	बाँटना।
१८३२	जु०	उ०	पद	सद	स०	शरीरहाना।
१८३३	स्वा०	प०	पण	सण	म०	चित्रकरना।
१८३४	न०	उ०	पण	सण	स०	दानदेना।
१८३५	जु०	उ०	पद	सद	प०	भुलना।
१८३६	जु०	प०	पद	सद	प०	समयकरना, मारना।
१८३७	स्वा०	प०	पद	सद	स०	स्वारलेना।
१८३८	स्वा०	प०	पन	सन	म०	चित्रदाना।
१८३९	स्वा०	प०	पप्	सप्	म०	संदन्धकरना।
१८४०	भा०	प०	पम	मम	जु०	कसेना।

क्र.	गण	पद	पद	पद	पद	पद	पद
१२०	भा.	प.	पत्रे	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२१	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२२	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२३	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२४	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२५	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२६	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२७	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२८	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१२९	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३०	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३१	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३२	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३३	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३४	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३५	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३६	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३७	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३८	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१३९	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी
१४०	भा.	प.	पद	सर्ग	स.	यशस्वी	यशस्वी

नम्बर	गण	पदः	धातु	लृट्	लृकर्मिकं	लृकर्मिकं	शब्द
१८३३	भा०	प०	यत्तु	सत्तु	स०	सत्तु	बलना, बालना।
१८३४	भा०	प०	यै	सै	अ०	नाशद्वेना।	
१८३५	दि०	प०	पो	सो	अ०	नाशद्वेना।	
१८३६	भा०	प०	पंग	संग	स०	नायकरना, सङ्ग करना।	
१८३७	भा०	प०	पंन	मंन	स०	चन्ना।	
१८३८	भा०	प०	पंज	मंज	स०	एकपदं मिलाना, नष्टि कमिलना।	
१८३९	भा०	प०	पंन	मंन	स०	सङ्ग करना।	
१८४०	लु०	उ०	पंग	मंग	स०	साधन, सङ्ग।	
१८४१	भा०	प०	पङ्क	मङ्क	स०	उन्नतिके गाना।	
१८४२	भा०	प०	पङ्गे	मङ्गे	स०	पङ्गा।	
१८४३	भा०	प०	पङ्ग	मङ्ग	स०	पङ्कना।	
१८४४	भा०	प०	पङ्ग	मङ्ग	स०	पङ्कना।	

नम्बर	भाषा	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु
१८८८	आ०	आ०	अभ	अभ	स०	पदिना।
१८८९	आ०	प०	अभ	सभ	म०	माना।
१८९०	आ०	प०	अभ	संभ	म०	नाना।
१८९१	आ०	प०	अभ	सत	अ०	नगर में रहना।
१८९२	तु०	प०	अभ	सह	स०	चलना।
१८९३	आ०	प०	अभ	रघ	अ०	विकल, बाढ़ होना।
१८९४	स्वा०	ला०	रिप	रिप	अ०	स्मार होना।
१८९५	आ०	ला०	रिप	रिप	अ०	टपकना।
१८९६	हि०	प०	रिप	रिप	स०	उपर से गत होना।
१८९७	हि०	प०	रिप	रिप	अ०	बढ़ना।
१८९८	मि०	प०	रिप	रिप	अ०	नराना।
१८९९	आ०	आ०	रुव	रुव	अ०	गुरा होना।
१९००	अ०	आ०	रुव	रुव	र०	नष्ट होना।
१९०१	अ०	आ०	रुव	रुव	र०	पामना।
१९०२	आ०	आ०	रुव	रुव	र०	पामना।

नम्बर	गण	प्र. शयार आत्मनेपदपरि पदप्रभसम्.	धातु	इति	प्रकर्मक शकर्मक	अर्थ
१६३०	भा.	उ.	सग	सग	मु.	पीडादनाकुहना।
१६३१	तु.	आ	सग	सग	स.	लिना मिलना।
१६३२	दि.	प.	स्वस	स्वस	स.	ग्वानाप्रसवेननेत्रे
			सा			
१६३३	श.	प.	स्वा	स्वा	श.	गोचद्वेनागृहद्वेना।
१६३४	स्वा.	प.	साध	साध	श्व.	सिद्धेना।
१६३५	तु.	उ.	साय	साम	ज.	शाचिद्वेनागृहमद्वेना।
१६३६	भा.	आ.	स्फायी	स्फाय	श्व.	पढ़ना।
१६३७	तु.	उ.	सार	सार	श्व.	नानाकलहना।
			सि			
१६३८	भा.	आ.	स्मिन्	स्मि	ज.	योडाहसना।
१६३९	तु.	उ.	स्मिन्	स्मिन्	स.	मारना।
१६४०	तु.	उ.	स्फिद्	स्फिट	श.स.	अनादकलहोलीकल
१६४१	दि.	प.	स्त्रिवु	स्त्रिव	स.	चलना, शोपना।

नमर	गण	पद-प्रयोग आत्मनिपट्यादि परस्मैपदपर	धातु	लृङ्	मकर्मक लृङ्	कार्य
१५४३	आ.	प.	स्त्रिभ	स्त्रिभ	स.	माना।
१५४४	तु.	प.	स्त्रिह	स्त्रिह	प.	होली करना।
१५४५	आ.	प.	सी	सी	स.	सींदना।
१५४६	आ.	प.	स्मीत्	स्मीत्	प.	छोटा होना।
१५४७	तु.	प.	सु	सु	प.	उपकना।
१५४८	तु.	प.	सु	सु	प.	बनना।
१५४९	क.	प.	सुख	सुख	प.	सुख होना।
१५५०	क.	प.	रकु	रकु	स.	पारना।
१५५१	क.	प.	रकु	रकु	प.	कूलना।
१५५२	क.	प.	रकु	रकु	प.	होइ कोकनाहंसना।
१५५३	तु.	प.	रकु	रकु	स.	पनाद करना।
१५५४	तु.	प.	रकु	रकु	प.	पानाद करना।

नम्बर	गण	पदः प्रथमा पदः	पदः द्वितीया पदः	पदः तृतीया पदः	पदः चतुर्थी पदः	पदः पञ्चमी पदः	अर्थ
१८५४	तु०	उ०	सुदि	सुद	श०	हसना, फूलना।	
१८५५	भ्या०	शा०	सुदि	सुद	स०	कूदिके चलना।	
१८५६	भ्या०	प०	सुदि	सुद	ज०	सुंदर होना।	
१८५७	भ्या०	प०					
१८५८	तु०	प०					
१८५९	भ्या०	प०					
१८६०	तु०	प०	सुल	सुल	ज०	खंड करना।	
१८६१	दि०	प०	सुद	सुद	स०	ठगिनन, कै करना।	
१८६२	तु०	उ०	सु	सु	श०	सुगुली करना।	
१८६३	तु०	उ०	सु	सु	स०	लभना।	
१८६४	भ्या०	प०	सुद	सुद	ज०	दुःख भरी करना, उदर करना।	
१८६५	तु०	उ०	सुल	सुल	श०	पढ़ना, मोटा होना।	

धातुसंग्रह

१५८

नम्बर	गण	प्रत्ययान्त	धातु	प्रत्यय	प्रत्ययान्त	प्रत्यय
१६६	आ.	प.	च	च	स.	चलना।
१६७	आ.	प.	च	च	ज.ह.	चोला।
१६८	आ.	प.	च	च	स.	चिन्ता।
१६९	आ.	प.	च	च	स.	चिन्ता।
१७०	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७१	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७२	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७३	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७४	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७५	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७६	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७७	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७८	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१७९	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८०	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८१	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८२	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८३	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८४	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८५	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८६	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८७	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८८	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१८९	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९०	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९१	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९२	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९३	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९४	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९५	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९६	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९७	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९८	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
१९९	आ.	प.	च	च	स.	चोला।
२००	आ.	प.	च	च	स.	चोला।

नम्बर	गण	प्र. अक्षर कालमपसम पकितमप	धातु	प्र. अक्षर	प्र. अक्षर कालमपसम पकितमप	अर्थ
१६०१	भा.	आ.	से	सेक	म.	चलना।
१६०२	लु.	उ.	सेन	सेन	स.	चोरीकरना।
१६०३	लु.	उ.	सेप	सेप	स.	फेंकना।
१६०४	भा.	प.	से	से	स.	चोलना।
१६०५	भा.	प.	से	से	स.	चोरीकरना।
१६०६	लु.	उ.	सेम	सेम	स.	दृष्टमनीमानना।
१६०७	लु.	उ.	सेकन	सेकन	स.	सामनेकरना।
१६०८	भा.	आ.	स्यनू	स्यंद	स.	टपकना।
१६०९	भा.	प.	संप	संप	स.	जलना।
१६१०	लु.	उ.	संभ	संभ	स.	संयधकरना।
१६११	भा.	प.	संभु	संभ	स.	रोकना।
१६१२	लु.	उ.	संभु	संभ	स.	पुष्टकरना।

धात्वर्णव

२६२

[illegible]

नम्बर	गाण	पद प्रातिपदिक पद	धान्य	हि	पद प्रातिपदिक पद	गण
२००३	आ०	प०	इम	इम	म०	पानना, इगहना
२००४	आ०	प०	इसे	इम	अ०	इमना।
२००५	ल०	स०	हा	हा	स०	चलना।
२००६	आ०	आ०	इद	इद	अ०	नसफाकहना।
२००७	आ०	आ०	इनादी	इद	अ०	सुराहोना।
२००८	आ०	प०	हि	हि	अ०	चलना, चढ़ना।
२००९	आ०	उ०	हिक्क	हिक्क	स०	नसफाकहना।
२०१०	आ०	प०	हिन	हिन	अ०	फेरिके निकलना।
२०११	आ०	आ०	हिडि	हिडि	स०	दलना इगमानकहना
२०१२	आ०	प०	हिवि	हिवि	अ०	लुगहोन प्रसन्न
२०१३	ल०	प०	हित	हित	अ०	अभिचारक हाना
२०१४	स०	प०	हिसि	हिसि	स०	मानना।

धात्वणोव

१६३

क्रमां	गण	पद-प्रकार शास्त्रोक्तानि यद्-उभयपद.	धतु	धातुस्य	मकर्मकस्य अकर्मक	उभय
१०१५	जु.	५.	जी	जी	प.	रामाना, ननाना।
१०१६	भा.	५.	जीञ्	जीञ्	प.	गमाना।
१०१७	जु.	५.	ज	ज	स.	शान्देक, निवद्वेक, काव
१०१८	भा.	५.	जुठ	जुठ	स.	चनुना।
१०१९	भा.	पा.	जुडि	जुडि	स.	विलेना, शाषि, वरना, मानमाना।
१०२०	भा.	५.	जुह	जुह	स.	शिल्पा।
१०२१	भा.	५.	जुळ	जुळ	प.	गृह्णता, पावता।
१०२२	भा.	५.	जुन	जुन	स.	चलन्, ग्राहन्, हृष्यन्।
१०२३	भा.	५.	जुव	जुव	स.	रोषो, बोलनाः
१०२४	भा.	५.	जुव	जुव	स.	चलन्।

	गण	प्रत्यय	धातु	लृट्	लृट्	लृट्
२०२५	जु.	प.	ह	ह	स.	
२०२६	कं	प.	ह	ह	अ.	
२०२७	भा.	प.	हृ	हृ	अ.	कदिलनाकना।
२०२८	कं	प.	हणी	हणी	अ.	नाएजुहोना।
२०२९	भा.	उ.	हृ	ह	स.	हरिलेनाहरेलना।
२०३०	वि.	प.	हृ	हृ	अ.	संतुष्टहोना।
२०३१	भा.	प.	हृ	हृ	स.	कूटकना।
२०३२	भा.	उ.	हृ	हृ	स.	सहाकनाशुचोना।
२०३३	भा.	अ.	हृ	हृ	स.	सेवोना।
२०३४	भा.	अ.	हृ	हृ	अ.	
२०३५	भा.	उ.	हृ	हृ	अ.	
२०३६	भा.	अ.	हृ	हृ	स.	कना।
२०३७	भा.	अ.	हृ	हृ	स.	चलना।

धातुसूची

क्र.सं.	धातु	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय	प्रत्यय
२०३८	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०३९	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४०	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४१	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४२	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४३	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४४	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४५	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४६	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४७	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.
२०४८	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.	धा.

नम्बर	गण	पदः अर्थात् शाल्मलिपदः पदः उभयपदः	धानु	ह्रस्वः	संस्कृतः संस्कृतः	अर्थः
२०४०	म्याः	पः	ह्नीयी	ह्नीय	सः	कपाना।
२०४१	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	नारद्वेना।
२०४२	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मारना।
२०४३	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	दिकना, तनुना।
२०४४	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मारना।
२०४५	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	वलना।
२०४६	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	पठना, भेजना।
२०४७	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मुखसेजलडाखा।
२०४८	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मारना।
२०४९	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	धीरिबोलना।
२०५०	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मस्तवेना।
२०५१	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	मुखसेजलडाखा।
२०५२	म्याः	पः	क्षि	क्षि	शः	धारद्वेना।

धात्वर्थव

२६७

नमः	धातु	धातु	धातु	धातु	धातु	धर्य
२०६१	पा०	प०	दीप	दीप	स०	भागना।
२०६२	प०	प०	सु	सु	स०	सुधित होना।
२०६३	प०	प०	सु	सु	स०	नीदरा करना।
२०६४	रु०	उ०	सु	सु	स०	पीसना।
२०६५	वि०	प०	सु	सु	स०	धुंरल गाना।
२०६६	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०६७	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०६८	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०६९	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७०	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७१	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७२	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७३	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७४	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७५	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७६	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७७	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७८	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०७९	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८०	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८१	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८२	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८३	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८४	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८५	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८६	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८७	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८८	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०८९	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९०	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९१	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९२	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९३	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९४	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९५	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९६	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९७	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९८	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२०९९	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।
२१००	वि०	प०	सु	सु	स०	चलना।

२६८

धात्वर्गानु

नम्बर गण	पदः प्रथमः पदः द्वितीयः पदः तृतीयः	धातु	प्रत्ययः	प्रत्ययः कृपा प्रत्ययः कृ	जर्थ
२०७२ आ०	प०	हो	हो	प०	नागहान
२०७३ चु०	उ०	हो	हो	३०	फिकना
		इति			

